मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्ष: 7 अंक 340
शुक्रवार, 04 जुलाई 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

लोकतंत्र हमारे लिए सिस्टम नहीं, संस्कार है: पीएम मोदी

घाना, 03 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को घाना गणराज्य की संसद को संबोधित किया। घाना गणराज्य की संसद को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आज इस प्रतिष्ठित सदन को संबोधित करते हुए मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है। घाना में होना सौभाग्य की बात है, यह एक ऐसी भूमि है जो लोकतंत्र की भावना को प्रसारित करती है। उन्होंने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रतिनिधि के रूप में, मैं अपने साथ 1.4 बिलियन भारतीयों की सद्भावना और शुभकामनाएं लेकर आया हूँ। घाना को सोने की भूमि के रूप में जाना जाता है, न केवल आपकी मिट्टी के नीचे जो कुछ है, बल्कि आपके दिल में जो गर्मजोशी और ताकत है, उसके लिए भी।

नरेन्द्र मोदी ने कहा कि कल शाम का अनुभव बहुत ही मार्मिक था, मेरे प्रिय मित्र राष्ट्रपति जॉन महामा से राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त करना सम्मान की बात है...भारत के 1.4 अरब लोगों की ओर से मैं इस सम्मान के लिए घाना के लोगों को धन्यवाद देता हूं। उन्होंने कहा कि आज सुबह मुझे हमारे दूरदर्शी और राजनेता तथा घाना के प्रिय पुत्र डॉ. क्वामे नक्रूमा को श्रद्धांजलि अर्पित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने एक बार कहा था कि हमें एकजुट करने वाली ताकतें उन अतिरंजित प्रभावों से कहीं अधिक बड़ी हैं जो हमें अलग रखती हैं। उनके शब्द हमारी साझा यात्रा का मार्गदर्शन करते रहते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा किस भारत लोकतंत्र की जननी है। हमारे लिए लोकतंत्र महज एक व्यवस्था नहीं है; यह हमारे मौलिक मूल्यों का हिस्सा है। लोकतंत्र हमारे लिए सिस्टम नहीं, संस्कार है। भारत में 2,500 से ज्यादा राजनीतिक दल हैं, 20 अलग-अलग पार्टियाँ अलग-अलग राज्यों पर शासन करती हैं, 22 आधिकारिक भाषाएँ हैं, हजारों बोलियाँ हैं। यही वजह है कि भारत आने वाले लोगों का हमेशा खुले दिल से स्वागत किया गया है। उन्होंने कहा कि भारत और घाना के इतिहास में औपनिवेशिक शासन के निशान हैं, लेकिन हमारी आत्मा हमेशा स्वतंत्र और निडर रही है। हम अपनी समृद्ध विरासत से शक्ति और प्रेरणा प्राप्त करते हैं... हमारी दोस्ती आपके प्रसिद्ध शुगर लोफ अनानास से भी अधिक मीठी है। मोदी ने कहा कि दुनिया जलवायु परिवर्तन, महामारी, आतंकवाद और साइबर सुरक्षा जैसे नए और जटिल संकटों का भी सामना कर रही है। पिछली सदी में बनाए गए संस्थान जवाब देने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। बदलती परिस्थितियाँ वैश्विक शासन में विश्वसनीय और प्रभावी सुधारों की मांग करती हैं। वैश्विक दक्षिण को आवाज दिए बिना प्रगति नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि हमें गर्व है कि अफ्रीकी संघ हमारे राष्ट्रपतित्व के दौरान जी-20 का स्थायी सदस्य बन गया। उन्होंने कहा कि दुनिया कई समस्याओं से जूझ रही है।

नवनिर्वाचित विधायक संजीव अरोड़ा बने पंजाब सरकार में मंत्री

लुधियाना, 03 जुलाई। लुधियाना पश्चिम से नवनिर्वाचित आप विधायक संजीव अरोड़ा को उद्योग विभाग और एनआरआई मामलों का विभाग आवंटित किया गया है। इस बीच, एनआरआई मामलों का प्रभार संभाल रहे कुलदीप सिंह धालीवाल ने इस्तीफा दे दिया है। उद्योग विभाग पहले तरुणप्रीत सिंह सोंद के पास था, जो ग्रामीण विकास, श्रम और पर्यटन विभागों का प्रभार संभालते रहेंगे। धालीवाल के इस्तीफे के साथ भगवंत मान मंत्रिमंडल में मंत्रियों की कुल संख्या 16 रह गई है। मंत्रिमंडल में दो पद अभी भी खाली हैं।

इससे पहले पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने पंजाब राजभवन में अरोड़ा को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। उनके शामिल होने के साथ ही आप के तीन साल के शासन के दौरान पंजाब मंत्रिमंडल का यह सातवां विस्तार है। धालीवाल ने इस्तीफे का बाद कहा कि मैंने अपनी मर्जी से इस्तीफा दिया है। मेरे लिए पंजाब सबसे पहले है, मेरे लिए पद और विभाग महत्वपूर्ण नहीं है। मुझे कहा गया कि किसी और को मौका दिया जाएगा, तो मैंने कहा हां, जरूर मौका मिलना चाहिए, और इसीलिए मैंने इस्तीफा दिया है। कोई दिक्कत नहीं है। मैं पार्टी के साथ हूं। पंजाब के मुख्य सचिव के.ए.पी. सिन्हा द्वारा संचालित यह समारोह मात्र छह मिनट तक चला। इसकी शुरूआत राष्ट्रगान के गायन से हुई, जिसके बाद राज्यपाल ने नए मंत्री को शपथ दिलाई। समारोह का समापन राष्ट्रगान के गायन के साथ हुआ। शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री भगवंत मान, उनकी पत्नी गुरप्रीत कौर मान और कई अन्य मंत्री और गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

कर्ज में डूब रहे किसान, लेकिन मोदी सरकार बेफिक्र: राहुल गांधी

नई दिल्ली, 03 जुलाई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को महाराष्ट्र में किसानों की आत्महत्या को लेकर मोदी सरकार पर हमला बोला और कहा कि वह किसानों की दुर्दशा के प्रति उदासीन है, जबकि किसान दिन-प्रतिदिन कर्ज में डूबते जा रहे हैं। हिंदी में एक्स पर एक पोस्ट में, लोकसभा में विपक्ष के नेता ने सरकार पर किसानों की कर्ज माफी और फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (टरढ) की कानूनी गारंटी की मांगों की अनदेखी करने का आरोप लगाया।

राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा कि सोचिए.. सिर्फ 3 महीनों में महाराष्ट्र में 767 किसानों ने आत्महत्या कर ली। क्या ये सिर्फ एक आंकड़ा है नहीं। ये 767 उजड़े हुए घर हैं। 767 परिवार जो कभी नहीं संभल पाएंगे। और सरकार चुप है। बेरुखी से देख रही है। उन्होंने आगे लिखा कि किसान हर दिन कर्ज. में और गहराई तक डूब रहा है - बीज महंगे हैं, खाद महंगी है, डीजल महंगा है.. लेकिन MSP की कोई गारंटी नहीं। जब वो कर्ज. माफी की मांग करते हैं, तो उन्हें नजरअंदाज कर दिया जाता है। लेकिन जिनके पास करोड़ों हैं? उनके लोन मोदी सरकार आराम

से माफ कर देती है। आज की ही खबर देख लीजिए - अनिल अंबानी का 48,000 करोड़ का SBI फ्रॉड । सरकार पर वार करते हुए राहुल ने कहा कि मोदी जी ने कहा था, किसान की आमदनी दोगुनी करेंगे - आज हाल ये है कि अन्नदाता की ज़िंदगी ही आधी हो रही है। ये सिस्टम किसानों को मार रहा है - चुपचाप, लेकिन लगातार और मोदी जी अपने ही PR का तमाशा देख रहे हैं। बुधवार को विपक्षी सदस्यों ने राज्य में किसानों की आत्महत्या और सोयाबीन की खेती करने वाले किसानों को बकाया भुगतान न किए जाने के मुद्दे पर महाराष्ट्र विधानसभा से दो बार वॉकआउट किया।

21 जुलाई से 21 अगस्त तक चलेगा संसद का मानसून सत्र

19 जुलाई को सर्वदलीय बैठक

नई दिल्ली, 03 जुलाई। संसद का आगामी मानसून सत्र 21 जुलाई से 21 अगस्त, 2025 तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें 13 और 14 अगस्त को दो दिवसीय अंतराल होगा। वहीं, किरेन रिजिजू ने आज बताया कि संसद के मानसून सत्र को लेकर केंद्र सरकार ने 19 जुलाई को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू हो रहा है और 21 अगस्त तक चलेगा। किरेन रिजिजू ने बुधवार शाम को एक पोस्ट के माध्यम से संशोधित कार्यक्रम की पुष्टि करते हुए कहा कि भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सत्र को आगे बढ़ाने के सरकार के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

शुरू में, सत्र को 12 अगस्त को समाप्त करने का कार्यक्रम था।

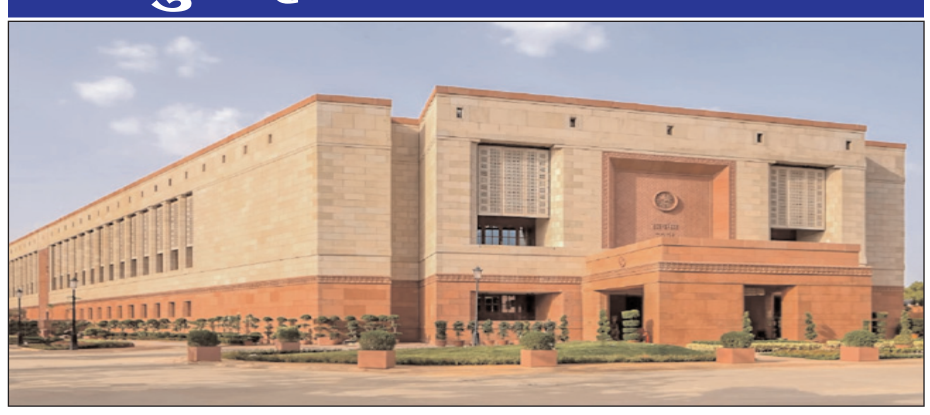

रिजिजू ने कहा, भारत के माननीय राष्ट्रपति ने 21 जुलाई से 21 अगस्त, 2025 तक संसद का मानसून सत्र बुलाने के सरकार के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। उन्होंने आगे कहा, स्वतंत्रता दिवस समारोह के मद्देनजर 13 और 14 अगस्त को कोई बैठक नहीं होगी। यद्यपि स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को है, लेकिन आवश्यक तैयारियों के लिए दो दिन का अवकाश स्वीकृत किया गया है। यह मानसून सत्र ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहला सत्र होगा और इसके हंगामेदार रहने की संभावना है, क्योंकि विपक्षी दल कथित तौर पर पहलगाम आतंकी हमले पर विशेष चर्चा की मांग सहित कई मुद्दे उठाने की योजना बना रहे हैं। भाजपा के नेतृत्व वाली और व्यापक राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के भीतर कई दलों के समर्थन वाली सरकार ने भी राज्यसभा और लोकसभा दोनों में विपक्ष के आख्यानों का मुकाबला करने के लिए रणनीति बनाना शुरू कर दिया है। सूत्रों का कहना है कि भाजपा सत्र से पहले एनडीए सहयोगियों की बैठक बुला सकती है ताकि अपनी रणनीति तय की जा सके। संसदीय परंपरा के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सत्र के पहले दिन 21 जुलाई को संसद परिसर से मीडिया को संबोधित करेंगे। सत्र के दौरान कई विधेयक भी पेश किए जाने की उम्मीद है, जिसमें बीमा से संबंधित विधेयक भी शामिल है।

केजरीवाल ने किया साफ, बिहार में अकेले चुनाव लड़ेगी आप

नई दिल्ली, 03 जुलाई। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को कहा कि पार्टी आगामी बिहार विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हम बिहार में कांग्रेस या इंडिया ब्लॉक सहयोगियों के समर्थन के बिना ही चुनाव में उतरेंगे। केजरीवाल ने कहा कि इंडिया ब्लॉक केवल लोकसभा चुनावों के लिए था। अब कांग्रेस के साथ कोई गठबंधन नहीं है। अगर गठबंधन था तो कांग्रेस ने विसावदर उपचुनाव क्यों लड़ा। वे हमें हराने आए थे। भाजपा ने हमें हराने और वोट काटने के लिए कांग्रेस को भेजा था।

बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने की उम्मीद है। हालांकि, चुनाव आयोग ने तारीखों की घोषणा नहीं की है। गौरतलब है कि बिहार में सभी 243 सीटों के लिए विधानसभा चुनाव अक्टूबर या नवंबर 2025 में होने हैं। पिछले विधानसभा चुनाव अक्टूबर-नवंबर 2020 में हुए थे। चुनाव के बाद, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने राज्य सरकार बनाई, जिसमें नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बने। बाद में, अगस्त 2022 में, नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जेडी(यू) ने एनडीए से नाता तोड़ लिया और आरजेडी के नेतृत्व वाले महागठबंधन के साथ सरकार बना ली। फिर, जनवरी 2024 में, नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जेडी(यू) ने आरजेडी के नेतृत्व वाले महागठबंधन से नाता तोड़ लिया और फिर से बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए के साथ सरकार बना ली। इससे पहले गुजरात में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और मुख्य विपक्षी कांग्रेस पर मिलीभगत का आरोप लगाते हुए आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को भरोसा जताया कि लोग 2027 के विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी को सत्ता में लाएंगे। हाल में राज्य में विसावदर विधानसभा उपचुनाव में आप नेता गोपाल इटालिया की जीत से उत्साहित दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा कि अतीत के विपरीत, लोगों के पास आम आदमी पार्टी के रूप में एक विकल्प है।

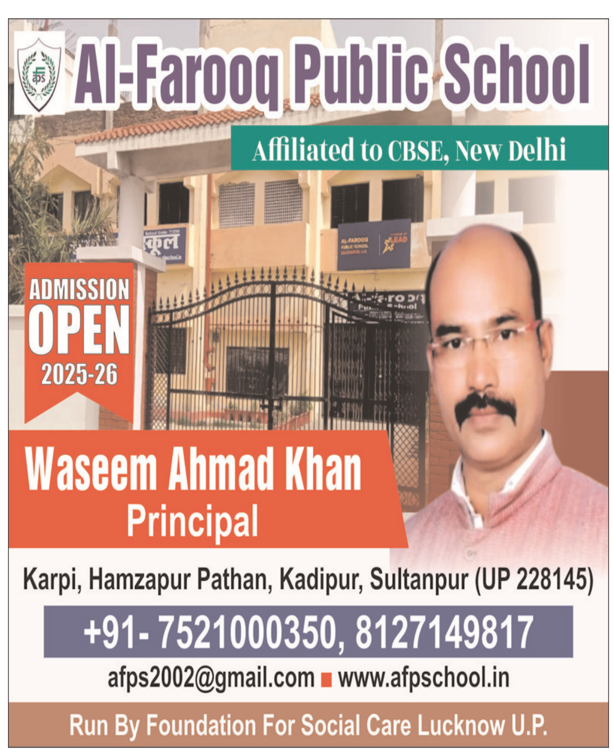

वित्तीय धोखाधड़ी रोकने के लिए दूरसंचार विभाग की प्रौद्योगिकी का उपयोग करें बैंक : आरबीआई

मुंबई, 03 जुलाई। भारतीय रिजर्व बैंक ने सभी बैंकों को ऑनलाइन धोखाधड़ी वाले लेनदेन को रोकने के लिए दूरसंचार विभाग की प्रौद्योगिकी का उपयोग करने को कहा है। बुधवार को एक आधिकारिक बयान में यह कहा गया। दूरसंचार विभाग की यह प्रौद्योगिकी वित्तीय धोखाधड़ी जोखिम संकेतक उपकरण है। बैंक और वित्तीय संस्थान वास्तविक समय में वित्तीय धोखाधड़ी जोखिम संकेतक (एफआरआई) का उपयोग कर सकते हैं। यह वित्तीय धोखाधड़ी के मध्यम, उच्च या बहुत उच्च जोखिम के साथ उनके जुड़ाव के आधार पर मोबाइल नंबर

को वगीर्कृत करता है। आंकड़े विभिन्न स्त्रोतों से एकत्र किये जाते हैं।

इसमें भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र के राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी), दूरसंचार विभाग के चक्षु मंच और बैंकों और वित्तीय संस्थानों द्वारा साझा की गई खुफिया जानकारी शामिल है।

केंद्र का केरल के प्रति नकारात्मक रुख बरकरार : पिनराई विजयन

केरल। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार का केरल के प्रति नकारात्मक रुख जारी है और उसने ओणम त्योहार के लिए अतिरिक्त चावल आवंटन की राज्य की मांग को खारिज कर दिया है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच फेसबुक पर एक पोस्ट साझा कर सभी राजनीतिक दलों से एकजुट होकर केंद्र सरकार के कथित केरल विरोधी रुख का विरोध करने का आह्वान किया है।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए
सम्पर्क करे: 9199355950

टीएमसी नेताओं की निर्लज्ज टिप्पणियों से उठा विवाद

-ललित गर्ग

कोलकत्ता में कानून की एक छात्रा से सामूहिक दुराचार-गैंगरेप का मुद्दा एक बार फिर पश्चिम बंगाल में जितना बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनने लगा है उतना ही बड़ा नारी उत्पीड़न का मुद्दा बनकर उभर रहा है। इस मामले में पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस के दो वरिष्ठ नेताओं की अनर्गल एवं निर्लज्ज टिप्पणी स्त्री की मयार्दा, सम्मान एवं अस्मिता के खिलाफ शर्मनाक, दुर्भाग्यपूर्ण व संवेदनहीन प्रतिक्रिया है। इन नेताओं ने गैंगरेप मामले पर विवादित बयान से राज्य एवं देश में भारी जनाक्रोश पैदा हो गया था। विशेषतः राजनेताओं के बयानों एवं सोच में एक बार फिर शर्मनाक ढंग से पीड़िता पर दोष मढ़ने की बेशर्म कोशिश की गई है। इस मामले में सत्तारूढ़ टीएमसी पार्टी अन्दर एवं बाहर दोनों मोर्चों पर घिरती हुई नजर आ रही है। जहां इस मामले में पार्टी के अन्दर गुटबाजी एक बार फिर सामने आयी है, वहीं भाजपा आक्रामक रूप से ममता सरकार को घेर रही है। टीएमसी की महिला नेत्री महुआ मोइत्रा टीएमसी नेताओं कल्याण बनर्जी और मदन मित्रा के उन बयानों पर निराशा व्यक्त करते हुए स्पष्ट किया है कि इन राजनेताओं के बयान में स्त्री-द्वेष पार्टी लाइन से परे है।

यह एक बदतर स्थिति है कि जिस पार्टी के नेताओं ने ये दुर्भाग्यपूर्ण बयान दिए हैं, उस पार्टी की सुप्रीमो एक महिला ही है। यह स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि ममता बनर्जी जैसी तेजतर्रार मुख्यमंत्री के शासन और नेतृत्व के वर्षों के दौरान टीएमसी के भीतर नारी सम्मान एवं अस्मिता को लेकर संवेदनशीलता लाने और मानसिकता में बदलाव लाने के प्रयास विफल होते नजर आ रहे हैं। अकसर महिलाएं और महिला राजनेता पुरुष नेताओं के हाथों अश्लील, अभद्र और तौहीन भरी टिप्पणओं की शिकार होती रही हैं। ऐसे बयानों के बावजूद अकसर ये राजनेता किसी कठोर कार्रवाई की बजाय हल्की फुल्की फटकार के बाद बच निकलते हैं। ये बयान कभी महिलाओं की बॉडी शेमिंग करते नजर आते हैं तो कभी बलात्कार जैसे गंभीर अपराध को मामूली बताने की कोशिश करते हुए नजर आते हैं। इसके साथ ही ये चिन्ताजनक संदेश भी जाता है कि महिलाओं के बारे में हल्के और आपत्तिजनक बयान देना विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं के लिये सामान्य बात है।

जब किसी देश की बेटियां न्याय का अध्ययन कर रही हों और वहीं उनके साथ अन्याय की पराकाष्ठा हो तो यह केवल एक आपराधिक घटना नहीं, बल्कि पूरे समाज, व्यवस्था और सोच के लिए एक जघन्य आइना बन जाती है। प्रतिष्ठित लॉ कॉलेज की छात्रा के साथ हुए सामूहिक बलात्कार की घटना ने न केवल राजनीतिक सोच एवं कानून के मंदिरों को शर्मसार किया है, बल्कि हर संवेदनशील मन को झकझोर दिया है। पीड़िता एक लॉ कॉलेज में अध्ययनरत छात्रा थी, जो अपने उज्ज्वल भविष्य के सपनों के साथ शिक्षा के पथ पर अग्रसर थी। घटना की रात वह अपने कुछ परिचितों के साथ बाहर थी, जिनमें से ही कुछ ने उसकी अस्मिता को रौंद डाला। उसे नशा दिया गया और फिर सुनसान स्थान पर ले जाकर कई लोगों ने उसके साथ बलात्कार किया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए कुछ आरोपियों को हिरासत में लिया है, लेकिन सवाल यह है कि जब कानून पढ़ने वाली लड़की खुद असुरक्षित है, तो आम महिलाएं कैसे सुरक्षित होंगी? क्या यह कानून की शिक्षा देने वाली संस्थाओं एवं शासन करने वाली सत्ताओं के लिए आत्ममंथन का समय नहीं है? ऐसी घटनाओं पर निर्भया कांड के बाद बने कानूनों का सख्ती से पालन हो। रेप को सिर्फ एक ह्वजुर्मह्ल नहीं, ह्वराष्ट्रीय आपदाह्ल माना जाए, और उसकी रोकथाम के लिए शिक्षा, संस्कार और तकनीकी सुरक्षा साधनों को प्राथमिकता दी जाए। कोलकाता की लॉ छात्रा की यह दर्दनाक घटना हमें चेताती है कि केवल कानून बना लेना काफी नहीं, जब तक समाज की सोच नहीं बदलेगी, तब तक बेटियां असुरक्षित रहेंगी। यह केवल एक छात्रा की लड़ाई नहीं, बल्कि हर बेटी की सुरक्षा की लड़ाई है। न्याय तब होगा जब ऐसी घटनाएं रुकेंगी और उसके लिए हमें मिलकर लड़ना होगा।

सबसे दुखद पहलू यह है कि अनेक बार ऐसी घटनाओं में समाज चुप रहता है, पीड़िता को दोषी ठहराने की कोशिश की जाती है। सोशल मीडिया पर तंज, मीडिया ट्रायल और व्यक्तिगत चरित्रहनन जैसी बातें पीड़िता को न्याय से अधिक पीड़ा देती हैं। पीड़िता के लिये यह पीड़ा तब और बढ़ जाती है जब उनके जन-प्रतिनिधि निर्लज्ज बयानबाजी करते हैं। विडंबना यह है कि पीड़िता के प्रति निर्लज्ज बयानबाजी अकेले पश्चिम बंगाल का ही मामला नहीं है, देश के अन्य राज्यों में भी ऐसी संवेदनहीन टिप्पणियां सामने आती रही हैं। यदि इक्कीसवीं सदी के खुले समाज में हम महिलाओं के प्रति संकीर्णता की दृष्टि से मुक्त नहीं हो पा रहे हैं, तो इसे विडंबना ही कहा जाएगा। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही कि ये वे लोग हैं जिन्हें जनता अपना नेता मानती है और लाखों लोग उन्हें चुनकर जनप्रतिनिधि संस्थाओं में कानून बनाने व व्यवस्था चलाने भेजते हैं। देश में बढ़ रही यौन-शोषण, रेप एवं नारी दुराचार की घटनाओं को देखते हुए जन-प्रतिनिधियों को ज्यादा संवेदनशील होने की अपेक्षा की जाती है। बड़ा प्रश्न है कि आखिर किसी राजनेता को हर महिला के साथ हुए दुर्व्यवहार और यौन शोषण को असंवेदनशील तरीके से देखने की छूट क्यों एवं कैसे मिल जाती है।

भारत ही ऐसा देश है, जहां महिलाओं की अस्मिता एवं अस्तित्व को तार-तार करने वाले नेताओं के निर्लज्ज बयानों के बावजूद उन पर कोई ठोस, सख्त एवं अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं होती। जबकि विश्व के अन्य देशों में ऐसा नहीं है। जैसे 2017 में ब्रिटेन के एक पार्षद के सामान्य से बयान पर अच्छा खासा बवाल मचा था। पार्षद ने सांसद का चुनाव लड़ रही एक गर्भवती महिला राजनेता के बारे में कह दिया था, ह्ववो गर्भवती हैं और उनका समय तो नैपी बदलने में ही बीत जाएगा, वो आम लोगों की आवाज क्या उठाएंगी?ह्ल इसके लिए पार्षद को माफी मांगनी पड़ी। ब्रिटेन जैसे कई देशों में अकसर ऐसे बयानों पर कार्रवाई होती है। मिसाल के तौर पर 2017 में ही यूरोपियन संसद के एक सांसद ने बयान दिया था कि महिलाओं को कम पैसा मिलना चाहिए क्योंकि वो कमजोर, छोटी और कम बुद्धिमान होती हैं।ह्ल इसके बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया था और उन्हें मिलने वाला भत्ता भी बंद हो गया था।

कोलकाता की लॉ छात्रा मामले में टीएमसी नेताओं की टिप्पणियां निस्संदेह निंदनीय हैं, लेकिन पार्टी के नेताओं व कार्यकताओं द्वारा भी कड़े शब्दों में इसकी निंदा की जानी चाहिए। ममता बनर्जी के सामने एक और चुनौती है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज बलात्कार-हत्याकांड और उसके बाद देश भर में उपजा आक्रोश अभी भी यादों में ताजा है। निस्संदेह, केवल टिप्पणियों से पार्टी को अलग कर देना ही पर्याप्त नहीं है। सार्वजनिक जीवन में नारी सम्मान एवं जीवन-मूल्यों के खिलाफ जाने वाले लोगों के लिये परिणाम तय होने चाहिए। अन्यथा समाज में ये संदेश जाएगा कि ऐसे कुत्सित प्रयासों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं होती है। किसी अपराध की रोकथाम अच्छे शासन की अनिवार्य शर्त बनना चाहिए लेकिन जब कोई अपराध होता है तो प्रभावी प्रतिक्रिया भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। टीएमसी दोनों ही मामलों में विफल प्रतीत होती है। ऐसे मामलों में अत्याचार करने वालों की ही भांति अत्याचार का समर्थन करने वाले दोषी है। अत्याचारियों के लिये ही त्वरित न्याय और सख्त सजा जरूरी है लेकिन जन-प्रतिनिधि की निर्लज्ज बयानबाजी भी अपराध के दायरे में होनी चाहिए। आजीवन शोषण, दमन, अत्याचार, अवांछित बर्ताव और अपमान की शिकार रही भारतीय नारी को अब ऐसे और नये-नये तरीकों से कब तक जहर के घूंट पीने को विवश होना होगा। अत्यंत विवशता और निरीहता से देख रही है वह यह क्रूर अपमान, यह वीभत्स अनादर, यह दूषित व्यवहार एवं संकुचित न्याय। न्याय एवं राजनीति की चौखट पर भी उसके साथ दोयम दर्जा एवं दुराग्रहपूर्ण सोच बदलना सर्वोच्च प्राथमिकता हो। यदि हम सच में नारी के अस्तित्व एवं अस्मिता को सम्मान देना चाहते हैं तो ईमानदार स्वीकारोक्ति, पड़ताल एवं निष्पक्ष न्याय से ही यह संभव होगा।

बढ़ता ही जा रहा है भाषाई विवाद, इसे रोकना जरुरी

अशोक भाटिया

एक बड़ी हिंदी भाषी आबादी होने के बावजूद महाराष्ट्र में हिंदी को लेकर विरोध को हवा मिलती रही है। वजह है मराठी पहचान पर जोर। स्थानीय राजनीतिक दल इसे मुद्दा बनाते आए हैं। इस समय विरोध इस हद तक बढ़ गया है कि मराठी के पक्षधर मारकुटाई तक उतर आए है जिसके विरोध में आज महाराष्ट्र में कई स्थानों पर बन्द का आयोजन किया जा है। मीरा रोड में मारवाड़ी व्यापारी के साथ हुई मारपीट की घटना पर जहां एक तरफ गुरुवार को बंद बुलाया गया है, वहीं बीजेपी, शिंदे सेना ने इस घटना की निंदा की है। हिंदीभाषी नेताओं ने मनसे कार्यकर्ताओं की तरफ से की गई भाषा के नाम पर मारपीट को गलत ठहराया है। नेताओं ने ने कहा कि मराठी सीखना जरूरी है, क्योंकि इससे लोगों को फायदा ही होगा, लेकिन मारपीट ठीक नहीं है। दरअसल महाराष्ट्र में ये हिंदी विरोध आज की बात नहीं है बल्कि ये पचास के दशक से चला आ रहा है जो सियासी वजहों से रह-रहकर उफान मारता रहा है। पचास के दशक में तत्कालीन बॉम्बे स्टेट जिसमें आज का गुजरात और उत्तर पश्चिम कर्नाटक भी आता था वहां एक अलग मराठी भाषाई राज्य बनाने की मांग को लेकर संयुक्त महाराष्ट्र आंदोलन शुरू हुआ। साठ के दशक में आंदोलन का असर दिखा। संसद ने दि बॉम्बे पुनर्गठन अधिनियम पास किया जिसके बाद महाराष्ट्र और गुजरात दो अलग राज्य बने। इसके छह साल बाद जब बाला साहेब ठाकरे ने शिवसेना की स्थापना की तो उनका घोषित लक्ष्य था, बैंक की नौकरियों और कारोबार में दक्षिण भारतीयों और गुजराती लोगों के प्रभुत्व के खिलाफ मराठी मानुष को संरक्षण देना। मराठी भाषा, मराठी अस्मिता और मराठी लोगों के मुद्दे उठाकर शिवसेना ने महाराष्ट्र में गहरी पैठ बना ली। अस्सी के दशक में शिवसेना के कार्यकर्ताओं ने दक्षिण भारतीयों और उत्तर प्रदेश और बिहार से आए प्रवासी उत्तर भारतीयों के खिलाफ लगातार रैली और आंदोलन किए। शिवसेना सत्ता में आई तो उसने दुकानों और संस्थानों में मराठी नेम प्लेट लगानी अनिवार्य कर दीं। बैंकों और सरकारी दफ़्तरों में भी मराठी में काम शुरू करवाया। बाला साहब ठाकरे जी के निधन के बाद भी शिवसेना ने ये मुद्दा अपने हाथ में रखा जो उसे बाकी पार्टियों से अलग बनाता रहा। उधर शिवसेना से अलग हुए बाला साहेब ठाकरे जी के भतीजे राज ठाकरे की पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने भी ये मुद्दा मजबूती से थामे रखा। शिवसेना, एमएनएस के लिए हर चुनाव में ये मुद्दा वोटों से भी सीधे तौर पर जुड़ा रहा। शिवसेना दो फाड़ हुई तो दोनों ही पक्षों ने इसे हाथ से जाने नहीं दिया। मराठी भाषा को लेकर ताजा विवाद इस साल मार्च में शुरू हुआ जब आरएसएस के वरिष्ठ नेता सुरेश भैयाजी जोशी ने कहा कि मुंबई की एक भाषा नहीं है और ये जरूरी नहीं है कि मुंबई आने वाले हर व्यक्ति को मराठी सीखनी पड़े। इस बयान पर विपक्षी महाविकास अघाड़ी के दल बिफर गए। खुद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मराठी राज्य की संस्कृति, इसे सीखना हर नागरिक का कर्तव्य है।

इसके अगले ही महीने अप्रैल में फडणवीस सरकार ने एक आदेश जारी किया जिसमें अंग्रेजी और मराठी मीडियम के स्कूलों में पहली से पांचवीं क्लास के छात्रों के लिए हिंदी को तीसरी अनिवार्य भाषा बना दिया गया। फिर क्या था विपक्षी दलों शिवसेना-यूबीटी, एनसीपी-शरद पवार और एमएनएस को विरोध के लिए नया बारूद मिल गया। उन्होंने इसे स्थानीय पहचान को कमजोर करने की साज़िश बताया और राष्ट्रीय एकता की आड़ में सांस्कृतिक एकरूपता को बढ़ावा देने की कोशिश बताया। विरोध को हवा मिली और नतीजा ये हुआ कि महाराष्ट्र सरकार को प्राथमिक स्कूलों में तीन भाषा के फॉमूर्ले को वापस लेने को मजबूर होना पड़ गया। बाद में महाराष्ट्र सरकार ने स्कूलों में तीन-भाषा नीति के क्रियान्वयन से संबंधित दो सरकारी प्रस्तावों (जीआर) को वापस ले लिया है। विपक्षी दलों और नागरिक समाज की तीखी प्रतिक्रिया के बाद, इसे हिंदी थोपे जाने के रूप में देखा जा रहा है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घोषणा की कि प्रसिद्ध शिक्षाविद् डॉ। नरेंद्र जाधव की अध्यक्षता वाली एक नई समिति भाषा नीति की विस्तार से फिर से जांच करेगी और तीन महीने के भीतर एक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। तब तक, 16 अप्रैल और 17 जून को जारी किए गए दोनों प्रस्तावों को रद्द कर दिया गया है।

विवाद तब शुरू हुआ था जब सरकार ने अप्रैल में एक जीआर जारी किया जिसमें अंग्रेजी और मराठी माध्यम के स्कूलों में कक्षा 1 से 5 तक के छात्रों के लिए हिंदी को अनिवार्य तीसरी भाषा बना दिया गया। शिवसेना (यूबीटी), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना सहित विपक्षी दलों ने इस नीति को क्षेत्रीय पहचान को खत्म करने और राष्ट्रीय एकीकरण की आड़ में सांस्कृतिक समरूपता को बढ़ावा देने का प्रयास बताया। हिंदी का विरोध केवल महाराष्ट्र तक ही सीमित नहीं है; तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल और आंध्र प्रदेश जैसे दक्षिणी राज्यों ने ऐतिहासिक रूप से अपनी मूल भाषाओं की कीमत पर हिंदी को बढ़ावा देने के किसी भी कथित प्रयास का विरोध किया है। यह विरोध सांस्कृतिक गौरव, ऐतिहासिक स्मृति और भाषाई समानता की चिंताओं के मिश्रण में निहित है। तमिलनाडु जैसे राज्यों में, 1960 के दशक के हिंदी विरोधी आंदोलनों ने गहरी छाप छोड़ी, जिसने पीढ़ियों के लिए राजनीतिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण को आकार दिया। महाराष्ट्र में, मराठी पहचान के दावे ने हमेशा राजनीतिक विमर्श में केंद्रीय भूमिका निभाई है। इसे राष्ट्रीय एजेंडे के रूप में देखे जाने वाले किसी भी प्रयास के माध्यम से कमजोर करने का प्रयास अक्सर मजबूत भावनात्मक और राजनीतिक प्रतिक्रियाओं को भड़काता है। इन क्षेत्रों में मुख्य चिंता यह है कि हिंदी, जो पहले से ही केंद्र सरकार और राष्ट्रीय मीडिया में प्रमुख है, को स्थानीय भाषाई संदर्भों की अनदेखी करने वाली शैक्षिक नीतियों के माध्यम से थोपा जा रहा है। आलोचकों का तर्क है कि जबकि गैर-हिंदी भाषी राज्यों के छात्रों से हिंदी सीखने की अपेक्षा की जाती है, वहीं हिंदी भाषी छात्रों को मराठी, तमिल या कन्नड़ जैसी क्षेत्रीय भाषाएँ सीखने के लिए कोई पारस्परिक प्रोत्साहन नहीं दिया जाता है। यह एकतरफा नीति दिशा हाशिए पर जाने और सांस्कृतिक क्षरण की भावना को बढ़ावा देती है। अपने मूल में, यह विवाद भारत की स्थायी चुनौती का प्रतिबिंब हैः भाषाई विविधता के साथ राष्ट्रीय एकीकरण को कैसे संतुलित किया जाए।

भारत में भाषा संचार के साधन से कहीं अधिक है; यह पहचान, इतिहास और भावनात्मक जुड़ाव का प्रतीक है। मुद्दा हिंदी सीखने का नहीं है, बल्कि जिस तरह से इसे पेश किया जाता है और इसमें विकल्पों की कमी है। स्वैच्छिक, रुचि-आधारित भाषा सीखना स्वागत योग्य है। हालाँकि, बाध्यकारी आदेश उल्टा असर करते हैं। आगे बढ़ते हुए, नीति को स्थगित करने और एक विशेषज्ञ पैनल बनाने का महाराष्ट्र का निर्णय सही दिशा में एक कदम है। यह भाषा शिक्षा जैसे संवेदनशील विषय पर संवाद, परामर्श और व्यापक सहमति की आवश्यकता को स्वीकार करता है। भारत की ताकत इसकी भाषाई विविधता में निहित है। भाषा के माध्यम से देश को एकजुट करने के प्रयासों को उस बहुलता का जश्न मनाना चाहिए न कि उसे दबाना चाहिए। जैसा कि डॉ। जाधव के नेतृत्व वाला पैनल अपना काम शुरू करता है, उम्मीद है कि यह एक ऐसी नीति की सिफारिश करेगा जो हर बच्चे के अपनी पसंद की भाषा सीखने के अधिकार को बनाए रखे।

दरअसल, ऐसा इसलिए हो रहा है कि आज अंतरराज्यीय रोजगार, शिक्षा और मनोरंजन आदि की चाहत में लोगों ने हिंदी सीखी है या इन्हीं कारणों से विस्थापन हुआ है। यदि हिंदी को थोपना होता, तो यह संविधान की मूल मंशा के अनुरूप आज देश की अनिवार्य राजभाषा होती, लेकिन यह सच्चाई किसी से नहीं छिपी है कि स्वतंत्रता के इतने साल बाद भी सरकारी कामकाज की भाषा स्वाभाविक रूप से अंग्रेजी ही है। जाहिर है कि हिंदी अपनी जमीन से आगे बढ़ रही है, ऊपर से थोपी नहीं गई है। इस क्रम में हिंदी को लेकर कुछ बने-बनाए भ्रम से देश जितना जल्दी जल्दी निकल जाए, तो अच्छा होगा। सर्वप्रथम तो यही कि ह्यहिंदी पट्टीह्ल जैसी कोई चीज वास्तविक धरातल पर नहीं है। यह सिर्फ ग्रियर्सन (1928) द्वारा प्रस्तावित हिंदी बेल्ट का अनुवाद भर है, जिसे रामविलास शर्मा आदि सरीखे विद्वानों ने हिंदी में जड़भूत कर दिया। जिस बड़े क्षेत्र को ग्रियर्सन ने हिंदी बेल्ट कहा था, उसी में से बिहार को बिहारी भाषा वाला क्षेत्र बताया था। आज अगर इस भाषा को खोजा जाएगा, तो न तो वास्तव में कोई बिहारी भाषा का अस्तित्व है और न ही हिंदी बेल्ट का। वास्तव में इस पट्टी में हिंदी से अधिक प्यार पाने वाली दूसरी सैकड़ों भाषाएं हैं और ये सभी लोग हिंदी को उसी व्यावहारिकता के धरातल पर खड़ा होकर स्वीकार करते हैं, जैसे देश के दूसरे हिस्सों के लोग।

गौरतलब है कि जिस कथित हिंदी-पट्टी को हिंदी का ज्ञाता समझ लिया जाता है, वहां हिंदी को अलग से सीखा जाता है। यहां दूर-दराज के क्षेत्रों में आज भी हिंदी उसी तरह है, जैसे बांग्ला, असमिया और गुजराती आदि हो सकती है। यहां तक कि हिंदी का प्रांतीय स्वरूप अपने आप में भिन्न है, जो हिंदी के लोकतांत्रिक चरित्र का सबसे सुंदर उदाहरण है। दूसरी तरफ आज देश में हिंदी के नाम पर घोषित सरकारी-गैरसरकारी नौकरियों का अखिल भारतीयकरण तेजी से हुआ है। अब देश को जोड़ने, चलाने और जातीय संस्कृति को अक्षुण्ण रखने के लिए संवाहक भाषाओं की जरूरत हमेशा रहेगी और इसमें हिंदी सर्वाधिक उपयोगी है।

एक महीने की है बात, पाकिस्तान नहीं है पूर्णकालिक संयुक्त राष्ट्र संघ अध्यक्ष

-संजय सक्सेना

भारत-पाकिस्तान के तल्ख रिश्तों के बीच पाकिस्तान के संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की मासिक रोटेशनल अध्यक्षता संभाले जाने से भारत के एक विशेष वर्ग में बहुत तीखी प्रक्रिया हो रही है। सोशल मीडिया पर भी मोदी सरकार के खिलाफ अपमानजनक भाषा का प्रयोग करते हुए ऐसा माहौल बनाया जा रहा है जैसे मोदी सरकार की विदेश नीति पूरी तरह से पिट गई है।पहली नजर में यह घटना भारत और पाकिस्तान के बीच लंबे समय से चले आ रहे तनावपूर्ण संबंधों के संदर्भ में विशेष रूप से महत्वपूर्ण लगती है,लेकिन ऐसा है नहीं। दरअसल, पाकिस्तान को यह जिम्मेदारी जनवरी 2025 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में 193 में से 182 वोटों के साथ अस्थायी सदस्य चुने जाने के बाद मिली है। यह अध्यक्षता, हालांकि प्रतीकात्मक और केवल एक महीने के लिए है, फिर भी पाक का यह छोटा सा कार्यकाल भारत के लिए कूटनीतिक और रणनीतिक चुनौतियां पेश कर सकता है, विशेष रूप से तब जब पाकिस्तान लम्बे समय से कश्मीर जैसे संवेदनशील मुद्दों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर उठाने के लिये प्रयासरत है।

गौरतलब हो, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता एक रोटेशनल प्रक्रिया है, जिसमें 15 सदस्य देशों (5 स्थायी और 10 अस्थायी) को वणार्नुक्रम के आधार पर हर महीने यह जिम्मेदारी मिलती है। इस दौरान अध्यक्ष देश परिषद की बैठकों का एजेंडा तय करता है, प्रेसिडेंशियल स्टेटमेंट जारी करता है, और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा को दिशा देता है। वैसे पाकिस्तान ने अपनी अध्यक्षता की शुरूआत में ही कश्मीर मुद्दे को उठाकर भारत को असहज करने की कोशिश की है। संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के राजदूत असीम इफ्तिखार अहमद ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कश्मीर को भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव का प्रमुख कारण बताते हुए इसे क्षेत्रीय स्थिरता और मानवाधिकारों के लिए खतरा करार दिया। यह कदम भारत की आशंकाओं को सही साबित करता है, जो पहले से ही मानता था कि पाकिस्तान इस मंच का दुरुपयोग भारत के खिलाफ प्रचार के लिए करेगा।

गौर करने वाली बात यह भही है कि पाकिस्तान की रणनीति में दो प्रमुख कार्यक्रम शामिल हैं, जो 22 और 24 जुलाई को आयोजित होंगे। पहला, विवादों के शांतिपूर्ण समाधान के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देना और दूसरा, संयुक्त राष्ट्र और इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) के बीच सहयोग पर केंद्रित है। इन दोनों बैठकों की अध्यक्षता पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार करेंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान इन मंचों का उपयोग कश्मीर और अन्य मुद्दों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाने के लिए कर सकता है, जिससे भारत पर कूटनीतिक दबाव बढ़ सकता है।

वैसे जानकारों का कहना है कि पाकिस्तान की यूएनएससी अध्यक्षता का भारत पर प्रभाव सीमित लेकिन रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हो सकता है। सबसे पहले, कश्मीर मुद्दे को अंतरराष्ट्रीयकरण करने की पाकिस्तान की कोशिश भारत के लिए एक चुनौती है। भारत ने हमेशा कश्मीर को अपना आंतरिक मामला माना है और इसे द्विपक्षीय रूप से हल करने की वकालत की है। लेकिन, यूएनएससी जैसे मंच पर इस मुद्दे को उठाने से पाकिस्तान वैश्विक समुदाय का ध्यान इस ओर खींच सकता है, जिससे भारत को अपनी स्थिति को और मजबूती से रखना होगा।

दूसरा, पाकिस्तान की अध्यक्षता के दौरान भारत को अपनी कूटनीतिक रणनीति को और सशक्त करना होगा। भारत ने हाल ही में यूएन मुख्यालय में द ह्यूमन कॉस्ट ऑफ टेररिज्म प्रदर्शनी आयोजित कर पाकिस्तान की आतंकवाद में कथित भूमिका को उजागर किया था। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इस दौरान स्पष्ट किया कि भारत आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई को वैश्विक मंचों पर और मजबूती से उठाएगा। लेकिन, पाकिस्तान की अध्यक्षता भारत के लिए एक कूटनीतिक चुनौती पेश करती है, क्योंकि वह न्छैब के एजेंडे को प्रभावित कर सकता है।

तीसरा, भारत में विपक्षी दलों, विशेष रूप से कांग्रेस, ने इस घटना को मोदी सरकार की कूटनीतिक विफलता करार दिया है। कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने दावा किया कि पहलगाम में हाल के आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान को यह जिम्मेदारी मिलना भारत की विदेश नीति की नाकामी को दशार्ता है। इससे भारत में आंतरिक राजनीतिक दबाव भी बढ़ सकता है, जो सरकार के लिए एक अतिरिक्त चुनौती है।

जबकि सरकारी पक्ष का कहना है भारत इस स्थिति से निपटने के लिए पहले से ही सक्रिय है। वह वैश्विक मंचों पर आतंकवाद के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करता रहेगा और यूएनएससी में अपने सहयोगी देशों, जैसे अमेरिका, रूस, फ्रांस, और ब्रिटेन, के समर्थन का उपयोग करेगा। ये देश पहले भी कश्मीर मुद्दे पर भारत के पक्ष में रहे हैं। इसके अलावा, भारत अपनी कूटनीतिक ताकत का उपयोग कर यह सुनिश्चित करेगा कि पाकिस्तान का कोई भी प्रस्ताव परिषद में समर्थन न पाए, क्योंकि किसी भी प्रस्ताव को पास होने के लिए सभी पांच स्थायी सदस्यों की सहमति आवश्यक है।

लब्बोलुआब यह है कि पाकिस्तान की यूएनएससी अध्यक्षता भारत के लिए एक रणनीतिक चुनौती है, लेकिन इसका प्रभाव सीमित है। यह अध्यक्षता केवल एक महीने की है और इसमें कोई विशेष शक्ति नहीं है। फिर भी, भारत को सतर्क रहना होगा, क्योंकि पाकिस्तान इस मंच का उपयोग अपनी छवि सुधारने और भारत के खिलाफ प्रचार के लिए कर सकता है। भारत की मजबूत कूटनीति और वैश्विक समर्थन इस चुनौती का सामना करने में सक्षम है, लेकिन यह स्थिति भारत की विदेश नीति की मजबूती और सतर्कता की परीक्षा होगी।

मोदी का घाना दौराः कूटनीति का वही ढोल या साख लौटाने की ठोस कवायद?

-ओंकारेश्वर पांडेय

ऑपरेशन सिंदूर के बाद तमाम सवालों से घिरे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब घाना की धरती पर उतरे, तो उनके कदमों में 75 साल की उम्र की थकान और हार न मानने की जिद एकसाथ झलक रही थी। अक्रा के हवाई अड्डे पर, हल्के नीले नेहरू जैकेट में सजे मोदी का चेहरा तनाव और सुकून के मिश्रित भाव लिए था। शायद यह नेहरू जैकेट सिर्फ एक परिधान नहीं, बल्कि उस नेहरू की याद का प्रतीक था, जिन्होंने कभी घाना की जनता को आजादी और ग्लोबल साउथ की एकजुटता का सपना दिखाया था। घाना के राष्ट्रपति जॉन ड्रामानी महामाहा ने उनका स्वागत किया, लेकिन हवा में सवाल गूँज रहे थे। ऑपरेशन सिंदूर की आधी-अधूरी कहानी, अमेरिका की मध्यस्थता की खबरों ने भारत की स्वायत्तता को कटघरे में खड़ा किया है, और हालिया भारत-पाक तनाव में चीन की सैन्य मदद ने ग्लोबल साउथ में भारत की साख को दांव पर ला दिया है।

क्या यह घाना, जो कभी गांधी और नेहरू की अहिंसा व साझेदारी से प्रेरित था, मोदी के नेतृत्व में भारत के ग्लोबल साउथ के सपने को नया जीवन दे पाएगा? क्या यह यात्रा, गंभीर सवालों से जूझ रही विदेश नीति को पुनर्परिभाषित करने की बजाय, एक और कूटनीतिक शो बनकर रह जाएगी?

ऑपरेशन सिंदूर और कूटनीतिक भंवर

पिछले महीने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में ह्यऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने सीमित सैन्य कार्रवाई की। सेना निर्णायक कदम के लिए तैयार थी, मगर आखिरी पल में राजनीतिक नेतृत्व ने कदम पीछे खींच लिए। इंडोनेशिया में तैनात नौसेना अधिकारी कैप्टन शिव कुमार ने खुलासा किया, हम तैयार थे, लेकिन रणनीति में स्पष्टता की कमी ने हमें रोका। इस खुलासे ने देश में हलचल मचा दी। अमेरिका की मध्यस्थता की खबरों ने भारत की स्वायत्त कूटनीति पर सवाल उठाए। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने तंज कसा, मोदी सरकार की विदेश नीति अब फोटो सेशन और खोखली घोषणाओं तक सिमट गई है। नीतिगत दृढ़ता गायब है। पर्दे के पीछे, चीन की भूमिका ने आग में घी डाला। हालिया भारत-पाक तनाव में चीन ने पाकिस्तान को फाइटर जेट, मिसाइल, और सैटेलाइट डेटा देकर समर्थन दिया, जिसे विशेषज्ञ भारत के खिलाफ रणनीतिक चाल मानते हैं।

घाना यात्राः अवसर या मजबूरी?

इस तूफानी माहौल में मोदी अक्रा पहुंचे। घाना की संसद में उनका स्वागत पारंपरिक ढोल की थाप और स्थानीय गीतों ने किया। मोदी ने ट्वीट किया, अक्रा पहुंचना सम्मान की बात है। राष्ट्रपति महामाहा का स्वागत हमारे पुराने, भरोसेमंद रिश्तों का प्रतीक है। हम भारत-घाना संबंधों को नई ऊँचाइयों पर ले जाएंगे। लेकिन सवाल वही है–क्या यह यात्रा ऑपरेशन सिंदूर की चूक, अमेरिका पर निर्भरता, और चीन की बढ़ती चुनौती को पार कर भारत की साख सुधारेगी? या यह सिर्फ एक और कूटनीतिक चमक-दमक बनकर रह जाएगी?

भारत-घानाः ऐतिहासिक बंधन और रोचक किस्से

अक्रा के बाजारों में भारतीय मसालों की खुशबू और बॉलीवुड गानों की गूँज घाना को भारत से जोड़े रखती है। यह रिश्ता कागजी कूटनीति से कहीं गहरा है–यह साझा संघर्ष और सपनों की कहानी है। 1950 के दशक में घाना के पहले राष्ट्रपति क्वामे एनक्रूमा भारत आए। गांधी की अहिंसा और नेहरू की ह्यग्लोबल साउथह्ल की सोच ने उन्हें इतना प्रभावित किया कि उन्होंने घाना की आजादी की लड़ाई को नई दिशा दी। 1957 में घाना के आजाद होने पर भारत ने वहाँ अपना पहला दूतावास खोला। एक पुराना किस्सा है–1960 में नेहरू की घाना यात्रा के दौरान एनक्रूमा ने उन्हें एक शानदार केन्टे कपड़ा भेंट किया, जो आज अक्रा के नेशनल म्यूजियम में प्रदर्शित है। उस स्वागत में स्थानीय जनजातियों ने ढोल-नगाड़ों के साथ नृत्य किया, और नेहरू की सादगी ने सबका दिल जीत लिया।

2011 में मनमोहन सिंह की यात्रा भी कम यादगार नहीं थी। नीली पगड़ी और सादे सूट में वह घाना की संसद में बोले, भारत अफ्रीका का प्राकृतिक सहयोगी है। हमारा रिश्ता संसाधनों या निवेश तक सीमित नहीं, बल्कि साझा विकास और मानवीय सहयोग पर आधारित है। उनकी बातों में गहराई थी, और स्वागत में घानाई गायकों ने पारंपरिक गीत गाए।

आर्थिक समीकरणः प्रगति और चुनौतियाँ

भारत-घाना व्यापार नेहरू काल से लंबा सफर तय किया है। 2004 में यह महज 213 मिलियन डॉलर था, जो मनमोहन सिंह के कार्यकाल में 2013-14 तक 1.2 अरब डॉलर पहुंचा। मोदी सरकार में यह 2017-18 में 3.34 अरब और 2018-19 में 4.48 अरब डॉलर तक गया, लेकिन 2023-24 में 2.51 अरब तक सिमट गया। 2024-25 (अप्रैल-अक्टूबर) में शुरूआती व्यापार 3.13 अरब डॉलर रहा। भारत का व्यापार घाटा बढ़ा है, क्योंकि घाना से सोना और तेल (घाना के निर्यात का 70%) तेजी से आयात हो रहा है।

भारत ने घाना को 450 मिलियन डॉलर की लाइन ऑफ क्रेडिट दी, जिससे गांवों में बिजली, आईटी पार्क, और स्वास्थ्य सुविधाएँ बनीं। लेकिन चुनौती सामने खड़ी है–चीन। घाना इन्वेस्टमेंट प्रमोशन सेंटर के मुताबिक, भारत प्रोजेक्ट संख्या में दूसरे स्थान पर है, लेकिन निवेश राशि में चीन, स्पेन, और मिस्र से पीछे है। 1994-2024 में भारत का निवेश 1.92 अरब डॉलर रहा, जबकि चीन का इससे कहीं अधिक। 2023 में भारत का निवेश 77.93 मिलियन डॉलर था, लेकिन चीन की आर्थिक पकड़ मजबूत है।

ग्लोबल साउथ में चीन को चुनौती?

हालिया भारत-पाक तनाव में चीन ने पाकिस्तान को फाइटर जेट, मिसाइल, और सैटेलाइट डेटा देकर समर्थन दिया, जिसे विशेषज्ञ भारत के खिलाफ रणनीतिक चाल मानते हैं। घाना की सड़कों पर पारंपरिक नृत्यों की रौनक के बीच मोदी की यह यात्रा सिर्फ भारत-घाना दोस्ती की कहानी नहीं है। यह ग्लोबल साउथ में भारत की साख को पुनर्जनन करने और चीन की आक्रामकता को टक्कर देने की कोशिश है। चीन ने अफ्रीका में 200 बिलियन डॉलर से अधिक का निवेश किया है, जबकि भारत 80 बिलियन के आसपास है। घाना में चीन की पकड़ इंफ्रास्ट्रक्चर और खनन में मजबूत है। लेकिन भारत की ताकत उसकी सॉफ्ट पावर में है–ऐतिहासिक दोस्ती, सांस्कृतिक जुड़ाव, और लोकतांत्रिक मूल्य। मोदी की यह यात्रा आर्थिक प्रतिद्वंद्विता का नया अध्याय भी शुरू कर सकती है। घाना के तेल-गैस भंडार, समुद्री मार्गों की सुरक्षा, और ग्लोबल साउथ में नेतृत्व के लिए भारत के पास मौका है। यह भारत के लिए न सिर्फ घाना, बल्कि पूरे अफ्रीका में अपनी स्थिति मजबूत करने का अवसर है, बशर्ते यह चीन की रणनीति को संतुलित करने के लिए स्पष्ट कदम उठाए।

सांस्कृतिक ताकत और जनमानस

अक्रा के बाजारों में भारतीय मसालों की खुशबू और अमिताभ बच्चन व शाहरुख खान की फिल्मों की गूँज घाना को भारत से जोड़े रखती है। 15,000 भारतीय समुदाय, योग, और क्रिकेट यहाँ भारत की सॉफ्ट पावर हैं। एक पुराना किस्सा है–1980 के दशक में डिस्को डांसर ने घाना के सिनेमाघरों को फिर से जिंदा कर दिया। आज भी वहाँ के बुजुर्ग आओ, ओम शांति ओम गुनगुनाते हैं। लेकिन चीन और यूरोपीय देशों की आक्रामक मौजूदगी ने भारत के लिए मुकाबला कठिन कर दिया। घाना की सड़कों पर बच्चों के नृत्य और पारंपरिक गीत भारत-घाना की दोस्ती की गर्मी दिखाते हैं, मगर क्या यह नीतिगत ठोस कदमों में बदलेगा?

मोदी का इम्तिहान

घाना की संसद से लेकर अक्रा की सड़कों तक, मोदी की यह यात्रा कोई साधारण कूटनीति नहीं। यह भारत की विदेश नीति की अग्निपरीक्षा है। भारत कई मोर्चों पर जूझ रहा है। ऑपरेशन सिंदूर का अधूरा नतीजा जनता के मन में सवाल छोड़ गया है। कैप्टन शिव कुमार जैसे सैन्य अधिकारियों ने सरकार की रणनीतिक अस्पष्टता पर उंगली उठाई है। अमेरिका की मध्यस्थता की खबरों ने भारत की स्वायत्तता को कटघरे में खड़ा किया। और अब, चीन की पाकिस्तान को सैन्य मदद ने भारत को ग्लोबल साउथ में अपनी साख बचाने की चुनौती दी है। मोदी के सामने सवाल है–कि क्या वह इस यात्रा को भाषणों और ट्वीट्स से आगे ले जा पाएंगे? यह मौका है–नेहरू और एनक्रूमा की ऐतिहासिक दोस्ती को नया जीवन देने का, ग्लोबल साउथ में भारत की पुरानी साख को पुनर्जीवित करने का, और चीन की आक्रामकता का मुकाबला करने का। अगर यह यात्रा भाषणबाजी तक सिमट गई, तो विपक्ष का तंज–विदेश नीति उड़ानों और उद्घाटनों तक सीमित है–और गहरा हो जाएगा। घाना भारत के लिए एक रणनीतिक खजाना है। इसके बाजारों में कोको और सोने की चमक भारत की आर्थिक भूख को ललचाती है। यह देश तेल, बॉक्साइट, और कोको का पावरहाउस है। भारत ने यहाँ आईसीटी, हेल्थकेयर, कृषि, और इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश किया है। 450 मिलियन डॉलर की लाइन ऑफ क्रेडिट ने घाना के गाँवों में बिजली, आईटी पार्क, और अस्पताल बनाए हैं। घाना का तेल भारत की ऊर्जा जरूरतों को मिटा सकता है। अटलांटिक महासागर के समुद्री मार्ग भारत की सुरक्षा रणनीति का हिस्सा हैं। और सबसे बड़ी बात, घाना ग्लोबल साउथ में भारत के नेतृत्व को मजबूत करने का रास्ता खोल सकता है।

घाना की सामाजिक ताकत भी अनोखी है। यहाँ महिलाओं की आबादी पुरुषों से अधिक है, जो सामाजिक बदलाव की मिसाल है। भारत के लिए यह मौका है–साझा लोकतांत्रिक मूल्यों को बढ़ावा देने का, और अफ्रीका में अपनी सॉफ्ट पावर को चमकाने का। लेकिन चीन की गहरी आर्थिक पकड़ और यूरोपीय देशों की नई सक्रियता रास्ते में रोड़े हैं। घाना की सड़कों पर पारंपरिक नृत्यों की रौनक भारत-घाना की दोस्ती की गर्मी दिखाती है। मोदी की इस यात्रा से भारत और घाना नये बदलते वैश्विक दौर में रिश्तों की नयी परिभाषा लिखें, यह दोनों देशों की जनता चाहेगी। इसके लिए दोनों देशों को दिखावे से अलग जमीनी हकीकत और जरूरत के हिसाब से ठोस कदम उठाने होंगे। यह यात्रा तस्वीरों और ट्वीट्स की चमक से आगे बढ़नी चाहिए। यह भारत के लिए मौका है–ग्लोबल साउथ में नेतृत्व को नई परिभाषा देने का, ऐतिहासिक साझेदारी को ठोस नीतियों में बदलने का, और चीन से मुकाबले के लिए रणनीतिक स्पष्टता लाने का। घाना का इतिहास हमें सिखाता है कि सच्ची दोस्ती परस्पर विश्वास और ठोस कदमों से बनती है। नेहरू और एनक्रूमा ने यह दिखाया था। क्या मोदी इस बार उस विरासत को नया जीवन दे पाएंगे, या यह यात्रा एक और कूटनीतिक सैर-सपाटा बनकर रह जाएगी? भारत को चाहिए रणनीतिक स्पष्टता, आर्थिक ताकत, और सांस्कृतिक जुड़ाव। अगर यह मौका चूक गया तो सुर्खियाँ भले बनें, मगर भारत का अफ्रीकी सपना अधूरा रह जाएगा।

नवली रेलवे फाटक के वैकल्पिक मार्ग की मरम्मत न होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी

नवली रेलवे फाटक उड्डान पुल संघर्ष समिति का प्रशासन को अल्टीमेटम

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। नवली रेलवे फाटक के पश्चिमी भाग में महज 500 मीटर की दूरी पर स्कूल, तहसील कार्यालय, तलाठी कार्यालय, सरकारी स्वास्थ्य केंद्र और रोजाना की बाजार हैं, जिससे नवली, वेवूर, डॉ. आंबेडकर नगर, भीमाई नगर, कमारे, वरखुटी, भोगोले पाड़ा सहित कई गांवों के हजारों लोग, छात्र और नौकरीपेशा नागरिक रोजाना इसी मार्ग से आवाजाही करते हैं।

ज्ञात हो कि नवली रेलवे फाटक पर उड्डान पुल का कार्य मई 2020 तक पूरा होना था, लेकिन अब पांच साल बीतने के बावजूद पुल का काम अधूरा पड़ा है। इसी बीच रेलवे प्रशासन ने 10 अप्रैल 2025 को अचानक दबाव डालते हुए नवली रेलवे फाटक को बंद कर दिया। रेलवे प्रशासन ने फाटक के दक्षिणी हिस्से में रेलवे लाइन के नीचे बहने वाले एक प्राकृतिक नाले को ही वैकल्पिक मार्ग बना दिया, जो बेहद असुविधाजनक और असुरक्षित है। जब फाटक बंद किया गया, तब पूर्वी भाग के ग्रामीणों ने इसका विरोध भी किया था। उस समय रेलवे प्रशासन ने जिलाधिकारी और ग्रामीणों को लिखित आश्वासन दिया था कि पुल का निर्माण कार्य 15 जून 2025 तक हर हाल में पूरा कर लिया जाएगा। लेकिन तय समयसीमा बीत जाने के बाद भी काम की धीमी गति को देखकर ऐसा लग रहा है कि पुल बनने में अभी कम से कम 6 महीने और लग सकते हैं। इधर बनाए गए वैकल्पिक मार्ग की ऊंचाई सही न रखने और बारिश के पानी की निकासी की कोई व्यवस्था न होने के कारण, पहले ही बारिश में इस मार्ग पर तीन फीट से अधिक पानी भर गया है, जिससे यह रास्ता नाले का रूप ले चुका है। इससे हजारों ग्रामीणों को जान जोखिम में डालकर आवागमन करना पड़ रहा है। जुलाई और अगस्त में भारी बारिश के चलते इस मार्ग से पैदल या दोपहिया वाहन से गुजरना और भी खतरनाक हो सकता है। ग्रामीणों ने कई बार जिलाधिकारी और रेलवे प्रशासन को इस गंभीर समस्या से अवगत कराया, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकाला गया। इस पूरे प्रकरण में स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उदासीनता के कारण ग्रामीणों में उनके प्रति भारी नाराजगी है।

इस समस्या को लेकर नवली रेलवे फाटक उड्डान पुल संघर्ष समिति के प्रतिनिधिमंडल ने 1 जुलाई 2025 को जिलाधिकारी पालघर इंदूराणी जाखड़ से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। इसमें मांग की गई कि या तो रेलवे फाटक तत्काल खोला जाए या फिर रेलवे ट्रैक के नीचे बने वैकल्पिक मार्ग को जल्द से जल्द सुरक्षित व सुविधाजनक बनाया जाए। ग्रामीणों ने साफ चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने इस ओर तुरंत ध्यान नहीं दिया, तो लोकतांत्रिक तरीके से तीव्र आंदोलन छेड़ा जाएगा। जिलाधिकारी पालघर ने इस शिकायत को गंभीरता से लेते हुए उपजिलाधिकारी महेश सागर और उपकार्यकारी अधिकारी सार्वजनिक निर्माण विभाग चव्हाण को निर्देश दिए कि डी.एफ.सी.सी. के अधिकारियों के साथ तुरंत स्थल निरीक्षण कर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इस अवसर पर मेजर हनुमंत यादव, पूर्व नगरसेवक राजेश गायकवाड, संजय गायकवाड, कुणबी समाज संघ के अध्यक्ष मनोज घरत, पूर्व लोकपाल छबिलदास गायकवाड, मोहम्मद खोजा, मेजर राऊत, प्रफुल्ल घरत, सिद्धेश घरत, मेजर पवार, महेश दुबे, लव दुबे, सद्दाम शेख व उमेश पडवले उपस्थित थे।

सुभाष पुजारी ने विश्व पुलिस एवं फायर गेम्स में जीते दो स्वर्ण पदक

मुंबई (उत्तरशक्ति)। नवी मुंबई पुलिस दल के पुलिस निरीक्षक सुभाष पुजारी ने अमेरिका के अलबामा के बर्मिंघम में आयोजित विश्व पुलिस एवं फायर गेम्स 2025 में 2 स्वर्ण पदक जीते हैं। उन्होंने ये पदक बॉडी बिल्डिंग श्रेणी में 172 सेमी ऊंचाई समूह और पुरुष शारीरिक श्रेणी में जीते हैं। उनकी सफलता ने नवी मुंबई पुलिस बल और महाराष्ट्र पुलिस दल तथा देश का नाम ऊंचा किया है और भारतीय तिरंगा गर्व से फहराया है। सुभाष पुजारी इस प्रतियोगिता के लिए मिस्टर ओलंपिया सुनीत जाधव के मार्गदर्शन में प्रतिदिन 6 घंटे अभ्यास कर रहे थे। अमेरिका में आयोजित इस प्रतियोगिता में 10 देशों की 76 टीमों ने भाग लिया था। पुजारी ने इसमें अपनी भागीदारी दर्ज कराई थी। उन्होंने अब तक 10 अंतरराष्ट्रीय पदक जीते हैं और इस प्रतियोगिता के लिए उन्हें नवी मुंबई के पुलिस आयुक्त मिलिंद भारम्बे, ठाणे शहर पुलिस उपायुक्त श्रीकांत पाठक, नवी मुंबई 112 डायल पुलिस हेल्पलाइन विभाग की अधीक्षक प्रीति टिपरे मैडम, उनकी पत्नी रागिनी पुजारी, आनंद गुप्ता और विवेक गुप्ता (डायरेक्टर गैम्प्रो ड्रिलिंग कंपनी खालापुर), राइनोमाइट क्लिनिक अंधेरी के डॉ. कनिष्क जैन और डॉ. असीम माथन के साथ-साथ सुदर्शन खेडकर ,ऋषि पेनकर का विशेष सहयोग मिला है। इस सफलता के लिए उन्हें पुलिस महानिदेशक रश्मि शुक्ला, निखिल गुप्ता, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून और व्यवस्था), श्रीकृष्ण प्रकाश (अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, प्रशासन), अभिषेक त्रिमुखे (विशेष पुलिस महानिरीक्षक, प्रशासन), पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और सहकर्मियों, मित्रों, सामाजिक और राजनीतिक हस्तियों का सहयोग मिला है।

जिलाध्यक्ष बनने के बाद दिलीप जैन ने लिया लल्लन तिवारी का आशीर्वाद

भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर भारतीय जनता पार्टी का जिलाध्यक्ष बनने के बाद दिलीप जैन ने आज देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान राहुल एजुकेशन के चेयरमैन लल्लन तिवारी के नवघर रोड स्थित कार्यालय में पहुंचकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि तिवारी जी मीरा भायंदर के गौरव हैं, जिनका आशीर्वाद प्राप्त करना अत्यंत सौभाग्य पूर्ण है। इस अवसर पर युवा भाजपा नेता एडवोकेट राजकुमार मिश्रा, भाजपा प्रवक्ता शैलेश पांडे, पूर्व मंडल अध्यक्ष रथिन दत्ता तथा भायंदर पूर्व मंडल अध्यक्ष संतोष गुप्ता उपस्थित रहे।

एसएसआई मंत्रा एम मेड इन इंडिया सर्जिकल रोबोट यात्रा ने अपना भारत दौरा शुरू किया

मुंबई। भारत के पहले और एकमात्र स्वदेश में विकसित सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम एसएसआई मंत्रा के निमार्ता एसएस इनोवेशन्स ने आज गुरूग्राम स्थित अपने मुख्यालय से एसएसआई मंत्रा एम मेड इन इंडिया सर्जिकल रोबोट यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रोडशो का उद्घाटन हरियाणा सरकार में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री श्री राव नारबीर सिंह ने किया। एसएसआई मंत्रा एम सर्जिकल रोबोट यात्रा के साथ भारत ने हेल्थकेयर में एक बदलावकारी यात्रा की शुरूआत की है, जिसके तहत पहली मोबाइल रोबोटिक सर्जरी ट्रेनिंग एवं डेमोन्स्ट्रेशन युनिट का अनावरण भी किया गया। यह आधुनिक टेलीसर्जरी-ऑन-व्हील्स पहल आधुनिक सर्जिकल टेक्नोलॉजी एवं कौशल निर्माण के अवसरों को सीधे देश के अस्पतालों और हेल्थकेयर पेशेवरों तक लेकर आई है। 1500 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए यात्रा का पहला चरण राजस्थान में 500 से अधिक डॉक्टरों को प्रशिक्षण एवं लर्निंग के अवसर प्रदान करेगा। राजस्थान में अपने पहले चरण के तहत एसएसआई मंत्रा एम की यात्रा 3 एवं 4 जुलाई को एसएमएस मेडिकल कॉलेज जयपुर से शुरू होगी, जहां चिकित्सा समुदाय के लिए लाईव डेमो एवं इंटरैक्टिव ट्रेनिंग सत्र आयोजित किए जाएंगे। 4 जुलाई दोपहर को मंत्रा एम एम्स जोधपुर पहुंचेगा। 6 जुलाई तक यात्रा रफकोन में हिस्सा लेगी। 6 जुलाई की शाम यह मथुरा दास माथुर मेडिकल कॉलेज के लिए रवाना होगा, जहां 7 जुलाई को सत्र आयोजित किए जाएंगे। 8 जुलाई को राजस्थान लैग का समापन का अजमेर के जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में होगा, इसके बाद यह यात्रा वापस गुरूग्राम आएगी। मंत्रा एम मेड इन इंडिया सर्जिकल रोबोट यात्रा की शुरूआत पर बात करते हुए डॉ सुधीर श्रीवास्तव, संस्थापक चेयरमैन एवं सीईओ, एसएस इनोवेशन्स ने कहा, एसएसआई मंत्रा एम एक मोबाइल रोबोटिक ट्रेनिंग एवं डेमोन्स्ट्रेशन युनिट से कहीं बढ़कर है, यह विश्वस्तरीय सर्जिकल शिक्षा एवं इनोवेशन को सुलभ बनाने का एक राष्ट्रीय आंदोलन है।

एक्सिस म्यूचुअल फंड ने लॉन्च किया एक्सिस सर्विसेज ऑपर्च्युनिटीज फंड

मुंबई/पटना। भारत की प्रमुख एसेट मैनेजमेंट कंपनियों में से एक, एक्सिस म्यूचुअल फंड ने आज अपनी नई थीमैटिक पेशकश झ्र एक्सिस सर्विसेज ऑपर्च्युनिटीज फंड को लॉन्च करने की घोषणा की है। यह एक ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम है, जो सेवाक्षेत्र थीम पर आधारित है। इस फंड का नया फंड ऑफर 4 जुलाई 2025 से खुलकर 18 जुलाई 2025 तक निवेश के लिए उपलब्ध रहेगा।

एक्सिस सर्विसेज ऑपर्च्युनिटीज फंड का उद्देश्य निवेशकों को उन कंपनियों के चुनींदा पोर्टफोलियो तक पहुंच प्रदान करना है, जो भारत की सेवाक्षेत्र आधारित आर्थिक बदलाव की अगुवाई कर रही हैं। यह फंड ऐसे व्यवसायों में निवेश करेगा जो स्केलेबल, कैपिटल-एफिशिएंट और प्रतिस्पर्धात्मक रूप से मजबूत हैं, और जिनकी मुख्य आय सेवाओं पर आधारित होती है।

इस फंड का प्रबंधन श्री श्रेयश देवळकर (हेड -इक्विटी), श्री सचिन रेळेकर (सीनियर फंड मैनेजर) और सुश्री कृष्णा नारायण (विदेशी निवेश के लिए) द्वारा किया जाएगा।

द्वारली गांव में देशी शराब की भट्ठी ध्वस्त

ठाणे खंडनी विरोधी पुलिस की कार्रवाई

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पूर्व के द्वारली पाडा क्षेत्र में खंडणी विरोधी पथक, ठाणे गुन्हे शाखा ने छापामार कार्रवाई कर अवैध देसी शराब भट्ठी का भंडाफोड़ किया।

पुलिस ने आदेश पंडित गायकर (24) नामक युवक को देसी शराब बनाने के उपकरण और कुल 3.15 लाख रुपये की अवैध शराब के साथ रंगेहाथों पकड़ा।

यह कार्रवाई जय गोलोबा चाळ के सामने मैदान में की गई। आरोपी के खिलाफ हिललाइन पुलिस स्टेशन में महाराष्ट्र दारूबंदी अधिनियम की धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे व अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में की गई।

ड्रग्स तस्करी का मुख्य आरोपी मोहम्मद रहीम शेख हैद्राबाद एयरपोर्ट से गिरफ्तार

2 करोड़ का ड्रग्स बरामद किया था पुलिस

डोंबिवली (उत्तरशक्ति)। कल्याण परिमंडल-3 पुलिस ने कुछ दिन पहले खोणी पलावा परिसर से 2 करोड़ रुपये का एमडी नामक नशीला पदार्थ बरामद कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया था। अब इस मामले के मुख्य आरोपी मोहम्मद रहीम सलीम शेख उर्फ फरहान को हैदराबाद अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक वह बहरीन भागने की फिराक में था, लेकिन पुलिस ने मुस्तैदी से उसे एयरपोर्ट पर ही दबोच लिया।

आपको बतादें कि कुछ दिन पहले मानपाड़ा थाना क्षेत्र के खोणी पलावा स्थित डाउनटाउन में एक फ्लैट पर छापा मारकर पुलिस ने 1 किलो 93 ग्राम एमडी बरामद किया जिसकी कीमत 2 करोड़ से भी ज्यादा थी। छापेमारी में पुलिस ने असिल सुर्वे, मोहम्मद ईसा मोहम्मद हनीफ कुरेशी और मेहेर फातिमा रिजवान देवजानी उक्त तीनों को गिरफ्तार किया था। जबकि मुख्य आरोपी मोहम्मद रहीम फरार था, जिसे पकड़ने के लिए डीसीपी अतुल झेंडे के मार्गदर्शन में पुलिस की टीम बारीकी जांच से कर रही थी। आखिर इस ड्रग्स तस्करी के सरगना को पकड़ने में पुलिस को सफलता हाथ लगी। रहीम शेख को पुलिस ने हैदराबाद एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया है। डीसीपी अतुल झेंडे के अनुसार रहीम देश छोड़कर बहरीन भागने की कोशिश कर रहा था। डीसीपी ने यह भी बताया कि वह अक्सर भारत से बाहर दूसरे देशों में आया जाया करता है। इसलिए वह किसी अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स रैकेट का सदस्य तो नहीं इस एंगल से भी पुलिस जांच करने में जुटी हुई है।

मुंब्रा में रहकर करता था कार डीलिंग: कल्याण के डीसीपी अतुल झेंडे ने बताया कि ड्रग्स तस्करी का मुख्य आरोपी मोहम्मद रहीम शेख मुंब्रा का रहने वाला है। वैसे तो दिखावे के लिए वह कार डीलिंग का काम करता है, लेकिन असल में बहुत बड़ा ड्रग्स डीलर है। बीते दो महीने से खोणी पलावा में किराए पर फ्लैट लेकर रहीम ड्रग्स तस्करी के काले कारोबार को अंजाम दे रहा था।

पालघर जिले में भारी बारिश से पुल व सड़कें जलमग्न

पालघर(उत्तरशक्ति)। भारी बारिश के चलते पालघर जिले के कई पुल और सड़कें पानी में डूब जाती हैं, जिससे गांवों और शहरों का संपर्क टूट रहा है। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए राज्य के वन मंत्री एवं पालघर जिले के पालक मंत्री गणेश नाईक ने जिला प्रशासन को सभी जलमग्न होने वाले पुलों और सड़कों की तुरंत मरम्मत के निर्देश दिए हैं।

पालक मंत्री गणेश नाईक के निर्देश पर सभी तहसीलदारों से पानी में डूबने वाले पुलों की जानकारी जुटाई गई है। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के विकास के लिए धरती आबा अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का विस्तृत प्रस्ताव जिला परिषद पालघर द्वारा प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। जिले के विभिन्न तहसीलों में बाढ़ से डूबने वाले पुलों की संख्या इस प्रकार है– पालघर में 4, वसई में 5, डहाणू में 24, तलासरी में 4, वाडा में 18, विक्रमगड में 13, जव्हार में 14, मोखाडा में 3, कुल 85 पुल और सड़कें जलमग्न होने की स्थिति में हैं। जिला प्रशासन ने निर्देशित किया है कि बाढ़ की स्थिति और पानी के स्तर को ध्यान में रखते हुए संबंधित पुलों की मरम्मत, ऊंचाई बढ़ाने अथवा अन्य आवश्यक उपायों के लिए 15 दिनों के भीतर विस्तृत प्रस्ताव व अनुमानित लागत रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। यह जिम्मेदारी सार्वजनिक निर्माण विभाग पालघर व जव्हार तथा कार्यकारी अभियंता निर्माण विभाग जिला परिषद पालघर को सौंपी गई है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इन सभी प्रस्तावित कार्यों में आदिवासी क्षेत्रों के पुलों का कार्य आदिवासी उपयोजना से जबकि अन्य क्षेत्रों के कार्य जिला नियोजन समिति और अन्य योजनाओं के माध्यम से आगामी दो वर्षों में पूरा किया जाएगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए निवासी उपजिलाधिकारी एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुभाष भागडे ने कहा कि पुलों की मरम्मत और जलनिकासी व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी गंभीरता से कार्य कर रहा है ताकि भविष्य में बाढ़ से जनजीवन प्रभावित न हो।

206 यूनिट रक्त संकलित, डिस्ट्रिक्ट 3141 में बना नया कीर्तिमान

पालघर(उत्तरशक्ति)। खून के अभाव में असमय जीवन और मौत से जूझ रहे जरूरतमंदों के लिए वरदान कही जाने वाली सर्वश्रेष्ठ दान रक्तदान के लिए जीवन धारा थीम के अंतर्गत डॉक्टर्स डे के अवसर पर मंगलवार 1 जुलाई 2025 को रोटरी क्लब ऑफ बोईसर तारापुर द्वारा आयोजित महा रक्तदान शिविर ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। तारापुर मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (टीमा) और मेडिकल प्रैक्टिशनर एसोसिएशन (एमपीए) के सौजन्य से आयोजित इस शिविर में 206 यूनिट रक्त का संकलन किया गया, जो कि रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3141 में अब तक का सर्वोच्च आंकड़ा रहा।

इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर रोटरी क्लब के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन मनीष मोटवानी ने रोटरी क्लब ऑफ बोईसर तारापुर और क्लब के प्रेसिडेंट रोटेरियन राम नारायण गोयल को विशेष बधाई दी और भविष्य के कार्यों के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं। इस मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत टांकी नाका के पास स्थित टीमा हॉल में किया गया, जिसमें एमपीए अध्यक्ष डॉ. विकास पाटील, सेक्रेटरी डॉ. उमेश, डॉ. गीता राजू समेत अनेक चिकित्सक और टीमा के पदाधिकारी उपस्थित रहे। शिविर का उद्घाटन रोटरी क्लब ऑफ बोईसर तारापुर के इंस्पायर प्रेसिडेंट रोटेरियन राम नारायण गोयल के मार्गदर्शन में प्रातः 9 बजे हुआ और यह शिविर सायं 5 बजे तक चला। तारापुर औद्योगिक क्षेत्र के कई प्रतिष्ठानों ने रक्तदान में भाग लेकर सामाजिक सहभागिता का परिचय दिया। गंगवाल फाउंडेशन ने 86 यूनिट रक्त देकर अपने ही पुराने रिकॉर्ड को तोड़ते हुए सर्वोच्च योगदान दिया। रोटेरियन संतोष शिंदे के अथक प्रयासों से कई संस्थानों ने अपने कर्मचारियों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया। रक्तदाताओं को क्लब की ओर से प्रमाण पत्र, छाता और पौष्टिक आहार देकर सम्मानित किया गया। इस शिविर में क्लब परिवार से भी कई सदस्यों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया, जिनमें स्वयंप्रभा राकेश मिश्रा, रो. स्मिता जाधव, रो. संतोष शिंदे, रो. डॉ. दर्शन खंडेजोड, रो. राकेश आचार्य, रो. संजय गोहिल, रो. अमित महाजन, रो. विनोद पाटणकर, मिसेज राधा पाटणकर, रो. सुनील सालवी, रो. अनिल जगदाले तथा रो. डॉ. सुनील ओसवाल प्रमुख रहे। इस मौके पर रो. रमेश मित्तल, रो. संदीप राउत, रो. राकेश मिश्रा, रो. जगदीश भूते, रो. किशोर महाले, रो. कोठावदे, वैशाली शिंदे, रो. प्रवीण वैश्य, रो. कौशल श्रीवास्तव, रो. बबनकुमार सिंह, रो. सुमन मित्तल, रो. सोनम खंडेजोड, रो. रेखेश जैन, रो. नमन कनोई, रो. संतोष बंग, रो. डॉ. राजेश यादव, रो. विक्रम शेखावत सहित अनेक गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

इस महाआयोजन को सफल बनाने में डॉ. पराग कुलकर्णी, रो. शैलेश अग्रवाल, रो. राकेश आचार्य, रो. अनिल जगदाले, रो. विनायक पद्मवार, रो. स्मिता जाधव व रो. मुकेश भाटिया का विशेष योगदान रहा।

वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित की मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से महत्वपूर्ण भेंट

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई में वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री माननीय देवेंद्र फडणवीस से भेंट की और वसई तालुका से संबंधित तीन महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान आकर्षित करते हुए एक ज्ञापन प्रस्तुत किया।

बिजली आपूर्ति में बाधाएं: वसई तालुका में बार-बार बिजली गुल होने और महावितरण के अव्यवस्थित प्रबंधन के कारण औद्योगिक एवं वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को हो रही भारी कठिनाइयों पर चर्चा की गई। विधायक ने इस समस्या के शीघ्र समाधान की माँग की।

अनार्ला फोर्ट जलमार्ग पर पुल निमार्ण: अनार्ला से अनार्ला फोर्ट तक यातायात को सुगम बनाने के लिए एमएमआरडीए के माध्यम से पुल निर्माण का प्रस्ताव मुख्यमंत्री के समक्ष रखा गया।

वसई-विरार के बुनियादी ढांचे का विकास: वसई-विरार शहर महानगरपालिका क्षेत्र में टटफळ्अ द्वारा प्रस्तावित बुनियादी ढांचे के कार्यों को प्राथमिकता देने तथा शीघ्र शुरू करने की माँग की गई।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने तीनों ही विषयों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और संबंधित विभागों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। वसई के समग्र विकास और नागरिकों के हित में मेरा प्रयास सतत जारी रहेगा।

भारतीय जनता पार्टी विरार पूर्व उत्तर मंडल द्वारा राष्ट्रीय डॉक्टर्स दिवस पर डॉक्टर्स का सम्मान

विरार(उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय डॉक्टर्स दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी, विरार पूर्व उत्तर मंडल द्वारा एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम चंदनसार रोड भाट पाड़ा से लेकर साईनाथ नगर तक विभाग सी के प्रभाग तीन अंतर्गत आने वाले विभिन्न अस्पतालों और क्लीनिकों में कार्यरत डॉक्टर्स को समर्पित था।

कार्यक्रम का उद्देश्य, इस क्षेत्र में कार्यरत डॉक्टरों द्वारा दिन-रात की निःस्वार्थ सेवा, समर्पण और स्वास्थ्य समस्याओं के समाधान में उनके उत्कृष्ट योगदान को सम्मानित करना था। भाजपा कार्यकताओं और पदाधिकारियों ने डॉक्टरों को पुष्पगुच्छ और स्मृतिचिह्न भेंट कर उनका अभिनंदन किया।

इस अवसर पर भाजपा महिला मोर्चा की पूर्व महामंत्री श्रीमती ज्योति प्रदीप मोरे कार्यक्रम की आयोजक रहीं। साथ में श्रीमती रेखा ताई वाघ, श्रीमती दीपिका ताई जोशी, तथा भाजपा शहर सचिव श्री प्रदीप प्रकाश मोरे ने स्वागत व सन्मान कार्यक्रम का नेतृत्व किया।

भारतीय जनता पार्टी की ओर से सभी डॉक्टर्स को उनके अमूल्य योगदान के लिए हृदय से आभार प्रकट किया गया और यह संकल्प लिया गया कि पार्टी सदैव ऐसे सेवाभावी कार्यों को प्रोत्साहित करती रहेगी।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागुराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.**- 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

पुलिस की लापरवाही पर न्यायालय सख्त, दो थानों के इंस्पेक्टरों का वेतन रोका

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्वेता यादव ने पुलिस महकमे की लापरवाही पर सख्त रुख अपनाते हुए जिले के दो थानों के प्रभारी निरीक्षकों के वेतन पर अग्रिम आदेश तक रोक लगाने का निर्देश दिया है। यह कठोर कदम न्यायालय द्वारा पूर्व में पारित आदेशों की लगातार अवहेलना के चलते उठाया गया है।

न्यायालय संवाददाता के अनुसार पहला मामला कोतवाली थाना क्षेत्र से जुड़ा है। जिसमें वादी राजेश्वर सोनकर बनाम पुल्लू मामले में न्यायालय ने दिनांक 20 अप्रैल 2021 को एनसीआर संख्या 15/2024 की विवेचना हेतु आदेश पारित किया था। इसके तहत पुलिस अधीक्षक से दिनांक 29 मई 2025 तक प्रगति आख्या मांगी गई थी। किंतु लगातार अनुस्मारक व स्पष्टीकरण मांगने के बावजूद कोई रिपोर्ट न्यायालय में प्रस्तुत नहीं की गई। इसे न्यायालय ने स्पष्ट रूप से अवमानना की श्रेणी में माना और प्रभारी निरीक्षक मिथीलेश मिश्रा का वेतन अग्रिम आदेश तक रोकने का निर्देश दिया।

दूसरा मामला केराकत थाना क्षेत्र का है। जहां कैलाश यादव द्वारा वाहन यू.पी. 62 ए.वी. 5613 को मुक्त कराने के लिए प्रस्तुत प्रार्थनापत्र के क्रम में न्यायालय ने दिनांक 29 अप्रैल 2025 को चालानी रिपोर्ट तलब की थी। इसके बाद भी जब रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की गई, तो 13 मई को पुनः निर्देश दिया गया। इसके बावजूद रिपोर्ट व स्पष्टीकरण दाखिल नहीं हुआ। जिससे नाराज होकर न्यायालय ने प्रभारी निरीक्षक अवनीश कुमार राय का वेतन रोकने का आदेश दिया। दोनों ही मामलों में कोर्ट ने पुलिस अधीक्षक को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि संबंधित थाना प्रभारियों की लापरवाही के संबंध में न्यायालय को तत्काल सूचित किया जाए। न्यायिक सूत्रों के अनुसार, यह कार्यवाही पुलिस विभाग के उस रवैये पर एक कड़ा संदेश है, जिसमें न्यायिक आदेशों की गंभीरता को नजरअंदाज किया जा रहा है। अदालत ने स्पष्ट कर दिया है कि न्याय की प्रक्रिया में ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

चोरी, लूट के सामानों के साथ 3 अन्तर्जनपदीय लुटेरे गिरफ्तार

लाइन बाजार पुलिस, स्वाट टींम, सर्विलांस की संयुक्त पुलिस टीम ले लूट से सम्बन्धित अभियोगों का किया सफल अनावरण

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। थाना लाइन बाजार पुलिस, स्वाट टींम, सर्विलांस की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा लूट से सम्बन्धित अभियोगो का सफल अनावरण करते हुए विभिन्न मुकदमों में चोरी/लूट के सामानों के साथ 03 अन्तर्जनपदीय लुटेरो को किया गया गिरफ्तार प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार सिंह, थाना लाइन बाजार जनपद जौनपुर मय टीम,नि0 के0के0 सिंह, स्वाट टीम प्रभारी (मय टीम),उ0नि0 प्रवीण कुमार यादव, प्रभारी डेल्टा (मय टीम), नि0 मनोज ठाकुर, प्रभारी सर्विलांस (मय टीम) व उ0नि0 अरविन्द कुमार यादव,चौकी प्रभारी टीम (मय हमराह) द्वारा लूट के माल की सकुशल बरामदगी करते हुये आरोपीगण 1.सचिन चौहान पुत्र विजय बहादुर निवासी मरगुपुर थाना आसपुर देवसरा जनपद प्रतापगढ उम्र करीब 26 वर्ष, 2. मनीष रजक पुत्र महेन्द्र रजक निवासी ग्राम सकरा थाना मुंगराबादशाहपुर जनपद जौनपुर उम्र करीब 27 वर्ष, 3. प्रभाकर सिंह उर्फ आशु सिंह पुत्र अनिल सिंह निवासी ग्राम चमरु नन्दवत थाना फुलपुर जनपद प्रयागराज उम्र करीब 36 वर्ष को गिरफ्तार किया गया।

1.सचिन चौहान के बायें फेंटे से 01 तमंचा .315 बोर 02 अदद जिंदा कारतूस,बायें जेब से ठोस पीली धातु 2. मनीष रजक के पहने हुए पैन्ट के दाहिने जेब से एक टूटी हुई सोने की चेन और बायें जेब से 12,500 रुपया तथा एक अदद अपाचे मो0सा0 यू0पी0 70 सी0बी0 4754 बरामद 3.प्रभाकर सिंह उर्फ आशू सिंह के दाहिने जेब से 14,700 रुपया उक्त बरामद सामानों के बारे मे कड़ाई से अलग-अलग व सामूहिक रुप से पूछताछ करने पर दिनांक 14.06.25 को चांदमारी(यू0पी0 सिंह कालोनी), दिनांक- 27.06.25 को पी0जी0 कालेज,प्रयागराज,जौनपुर मार्ग पर महिला से छिनैती, दिनांक-28.06.25 को थाना क्षेत्रान्तर्गत फूलपुर जनपद प्रयागराज से महिला से चेन छिनैती व 24.06.25 को बलीपुर हाईवे थाना उतरांव जनपद प्रयागराज से महिला से छिनैती का माल व बेचने से प्राप्त धन होना बताये। उक्त माल को बरामद करते हुए 03.07.2025 को हिरासत पुलिस मे लेकर गिरफ्तार किया गया।

बरामदगी का विवरण- 1.ठोस पीली धातु 44.920 ग्राम, टूटी हुई चेन पीली धातु वजन 8 ग्राम, 12,500 व 14,700 कुल– 27,200 रुपया, 01 तमंचा .315 बोर व 02 जिंदा कारतूस व एक अपाचे मो0सा0 UP 70 CB 4754

रेलवे से जुड़ी जनसमस्याओं को लेकर लखनऊ डीआरएम से मिले उत्तर रेलवे जोनल अध्यक्षः विनय जायसवाल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले की रेलवे से जुड़ी जनसमस्यों के लेकर विनय जायसवाल ने बृहस्पतिवार को लखनऊ डीआरएम सुनील वर्मा से मिलकर जनहित में रेलवे से संबंधित विभिन्न सामाजिक मुद्दों से अवगत कराया एवं अपनी माँग रखी। जोनल अध्यक्ष विनय जायसवाल ने कहा कि वाराणसी-सुल्तानपुर रेल प्रखंड स्थित बक्सा एवं सरायहरखू रेलवे स्टेशन पर फरक्का, गंगा जमुना एक्सप्रेस एवं सटल एक्सप्रेस का ठहराव किया जाना अति आवश्यक है। क्योंकि यहां से लगभग 70 गांवों और 2 लाख की आबादी वाले इस इलाके से लोगों को आवागमन मे असुविधा का सामना करना पड़ता है। विनय जायसवाल ने बताया कि खेतासराय रेलवे स्टेशन वाराणसी-अयोध्या मार्ग का प्रमुख स्टेशन है। इस स्थानीय रेलवे स्टेशन पर 10 साल से आरक्षण केंद्र बंद है। इसे रेल विभाग में (बी) क्लास स्टेशन का दर्जा प्राप्त है। इस आरक्षण केंद्र को पुनः चालू किया जाए। जिससे यात्रियों को टिकट के लिए 10 किलोमीटर दूर शाहगंज या 25 किलोमीटर दूर जौनपुर जंक्शन न जाना पड़े। जोनल अध्यक्ष ने जाफराबाद से जौनपुर के बीच सिंगल लाइन होने से ट्रेन अपने निर्धारित समय से घंटों की देरी से चल रही हैं। जिससे यात्रियों को सुविधा मिलने की बजाय भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। जल्द से जल्द इस लाइन को डबल किया जाए जिससे यात्रियों को असुविधा का सामना न करना पड़े।

घरेलू झगड़े को लेकर कोतवाली पहुंची महिला अपने दो बच्चों और पति को छोड़कर फरार

केराकत, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। केराकत कोतवाली क्षेत्र के गंगौली गांव कि निवासी एक महिला अपने पति से घर के खर्च कि मांग को लेकर कोतवाली पहुंची। बातचीत के दौरान वह अपने दो मासूम बच्चों और पति को थाने में छोड़कर चुपचाप चली गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, महिला अपने पति के साथ घर के खर्चे में बढ़ोत्तरी की मांग को लेकर के घरेलू झगड़े के बाद कोतवाली आई थी। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अवनीश कुमार राय ने जब दोनों पक्षों को समझाने का प्रयास किया तो महिला किसी बात पर नाराज होकर बिना कुछ बताए ही थाने से चली गई। उसके पति और दो छोटे बच्चे घंटों तक थाने में बैठे रहे। पति ने बताया कि वह मुंबई में रहकर मेहनत-मजदूरी करता है और हर महीने अपनी कमाई का आधा हिस्सा पत्नी को खर्च के लिए भेजता है। इसके बावजूद पत्नी आए दिन अधिक खर्चे की मांग को लेकर विवाद करती रहती है।

पत्थर गड्डी उखाड़ फेंकने पर छह के विरूद्ध मुकदमा दर्ज

गौराबादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के बमैला गांव निवासी शेर बहादुर ने गौराबादशाहपुर थाने पर तहरीर देकर आरोप लगाया है कि एसडीएम सदर के आदेश पर उनके खेत की पत्थर गड्डी की गई थी जिसे विपक्षी दीपक, शीला, अंकित, सजना, कतवारू, राकेश कुमार निवासी बमैला, थाना गौराबादशाहपुर ने उखाड़ फेंका और मेड को जोत दिया। शेर बहादुर की तहरीर पर सीमांकन नष्ट किए जाने वालों पर कार्रवाई करते हुए गौराबादशाहपुर थाना पुलिस ने 6 के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।थानाध्यक्ष गौराबादशाहपुर फूलचंद पांडेय ने बताया कि थाना क्षेत्र के बमैला गाँव निवासी दीपक, शीला, अंकित, सजना, कतवारू, राकेश कुमार के विरुद्ध सीमांकन नष्ट किए जाने की कार्रवाई करते हुए मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

रोजगार मेले में 150 अभ्यर्थियों का हुआ चयन

◆ कई राज्यों और जिलों से सम्मिलित हुए अभ्यर्थी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर के पक्का पोखरा कौड़िया स्थित बसंती देवी आईटीआई में रोजगार मेले का आयोजन किया गया।

रोजगार मेले में जौनपुर समेत बिहार, झारखंड, राजस्थान, मेरठ, बलिया, संत रविदास नगर, गाजीपुर, गोरखपुर, प्रयागराज, चंदौली, अयोध्या, आजमगढ़ आदि जगहों से प्रतिभागियों ने भाग लिया। मेले में लगभग 150 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया, जिनमें से 125 छात्रों का लिखित और इंटरव्यू के माध्यम से चयन किया गया। गुजरात स्थित सुजुकी मोटर कंपनी के एचआर प्रतिनिधि प्रशांत गोस्वामी, प्रियंक चौहान एवं मोनांक मालवीय ने कंपनी के बारे में विस्तार से जानकारी दी। 18 से 26 वर्ष के प्रतिभागियों का चयन किया गया, जिन्हें कंपनी 24,550 रुपए महीने का वेतन देगी। संस्थान के निदेशक दिवाकर मिश्र ने दूरदराज से आए छात्रों की हौसला आफजाई करते हुए उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामना दी। कार्यक्रम का संचालक विकास जायसवाल ने किया। उक्त अवसर पर दीपक जायसवाल, सौरभ सेठ, आयुष अग्रहरि, दीपक सिंह, ईश नारायण मिश्र, राजेश यादव, सुरेंद्र प्रजापति, अजय, रतन भंडारी आदि प्रमुख रूप उपस्थित रहे।

प्राथमिक विद्यालय मर्ज होने जाने पर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

मुहम्मद आरिफ

आजमगढ़(उत्तरशक्ति)। जिले के तरवा ब्लाक क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सभा गंगवल का है। जहां प्राथमिक विद्यालय को दूसरी जगह स्थानांतरित कर दिया गया है।जिसको लेकर ग्रामीणों में चिंता की स्थिति बनी हुई है वही ग्रामीणों ने विद्यालय के बाहर खड़े होकर अपनी नाराजगी जताते हुए। सरकार से मांग की हमारा विद्यालय दूसरे जगह मर्ज ना किया जाए। क्योंकि हमारे यहां से अन्य विद्यालयों की दूरी लगभग दो से तीन किलोमीटर है जिससे हमारे यहां के गरीब बच्चे वहां पर नहीं जा पाएंगे। वहीं अन्य ग्रामीणों ने बताया कि हमारा गांव सिवान में बसा हुआ है जिससे जंगली जानवरों का डर रहता है तथा हमारे गांव की गरीब आबादी कहां पढ़ने जाएगी अभी चिंता की स्थिति बनी हुई है। कई बार सरकार से निवेदन किया। हमारे विद्यालय को अन्य जगह स्थानांतरित ना किया जाए। वही इस मौके पर गंगवल प्रधान अनीता सिंह प्रधान प्रतिनिधि अखिलेश सिंह, उमाकांत सिंह उर्फ भोला, दिनेश सिंह, गोलू सिंह, मनोज सिंह, अशोक सिंह, कमलेश राजभर, सोहनलाल प्रजापति। वहीं महिलाओं में जम्मा देवी, चिंता देवी, मनभावति देवी, शीतला देवी, प्रभावती देवी इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

सेंट्रल बैंक आफ इंडिया में शॉर्ट सर्किट से बजी खतरे की घण्टी, मची अफरा तफरी, मौके पर पहुंची पुलिस

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर के आजमगढ़ रोड पर उस समय अफरा तफरी का माहौल बन गया जब वहां स्थित एक बैंक के खतरे की घण्टी बजने लगी। बताया जाता है की गुरुवार की दोपहर आजमगढ़ रोड स्थित सेंट्रल बैंक आफ इंडिया में अचानक से बैंक में लगे पंखे में शॉर्ट सर्किट हो गयी और तेज धुआं निकलने लगा। धुंआ निकलने से बैंक में लगे सेंसर में खतरे की घण्टी बजने लगी। मौके पर मौजूद बैंक के खाताधारको को बाहर निकाला गया।तब तक उक्त बिल्डिंग में भी लोग सहम गए। बाद में पता चला की पंखे में शॉर्ट सर्किट हुआ है। सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस भी भारी बल के मौके पर पहुंची। तो देखा की पूरा बैंक धुंए से भरा है और खतरे की घण्टी लगातार बजते जा रही है। बैंक के उप प्रबंधक आत्माराम मिश्रा ने बताया की शार्ट सर्किट हुआ है किसी तरह का कोई नुकसान नही हुआ है। मैकेनिक फाल्ट को सही कर रहा हैं। जब धुआं पूरी तरीके से बैंक से बाहर हो जाएगी तो खतरे की घण्टी स्वतः बंद हो जाएगी।फिलहाल किसी बड़ी घटना न होने से आसपास के लोगों ने राहत की सांस ली।

मेडिकल कालेज में बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट का प्रशिक्षण सम्पन्न

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर की प्राचार्या प्रो॰ डा॰ रूचिरा सेठी एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, प्रो॰ डा॰ ए॰ए॰ जाफरी के दिशा निर्देश में डा॰ पूजा पाठक, नोडल अधिकारी बायोमेडिकल वेस्ट (BMW) द्वारा 03 जुलाई, 2025 को कालेज के नर्सिंग अधिकारी, एम॰पी॰ डब्ल्यू हेल्थ एवं एम॰पी॰ डब्ल्यू जनरल को PPT के माध्यम से प्रोजेक्टर पर क्लीप दिखाकर बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेन्ट के बारे में प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण में बताया गया कि हर स्वास्थ्य कर्मी की जिम्मेदारी है कि वह बायोमेडिकल कचरे को सुरक्षित रूप से संभाले और समाज को संक्रमण मुक्त बनाए। जैसा कि हम जानते हैं। बायोमेडिकल वेस्ट अर्थात चिकित्सा कार्यों से उत्पन्न वह अपशिष्ट, जिसमें शरीर के तरल पदार्थ, औषधियाँ, ब्लेड, सुई, संक्रमित वस्तुएँ आदि शामिल होते हैं।यदि इन्हें उचित तरीके से अलग न किया जाए और समय पर निपटाया न जाए, तो यह गंभीर संक्रमण फैला सकते है। यह न केवल मरीजों और स्वास्थ्यकर्मियों के लिए खतरा बन सकता है, बल्कि पूरे समाज और पर्यावरण को नुकसान पहुँचा सकता है। हमें बायोमेडिकल वेस्ट को सही रंग के डस्टबिन में डालना चाहिए, और उसे सुरक्षित रूप से संग्रहित तथा लेबल करना चाहिए तथा नियमों के अनुसार निष्पादन करना चाहिए। इसके साथ हमें यह भी समझने कि आवश्यकता है कि हमारे द्वारा बरती गई एक छोटी सी लापरवाही किसी अन्य के लिए जानलेवा साबित हो सकती है। हम सभी की यह जिम्मेदारी है कि हम इस प्रशिक्षण को केवल औपचारिता न मानें, बल्कि जो कुछ हम सीखें, उसे अपने व्यवहार में अपनाएं और अपने साथियों को भी जागरूक करें।मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा॰ ए॰ए॰ जाफरी ने प्रशिक्षण में बताया कि बायोमेडिकल वेस्ट प्रशिक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण है चाहे हम डॉक्टर हों, नर्स हों, टेक्नीशियन हों, सफाईकर्मी हों या प्रशासनिक अधिकारी। हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम सही ज्ञान प्राप्त करें और उसे नियमित रूप से कार्यान्वयन में लाएं।हमारे अस्पताल में बायोमेडिकल वेस्ट के पृथक्करण, संग्रहण, लेबलिंग, परिवहन और निष्कासन की समुचित प्रक्रिया अपनाई जा रही है। परंतु हमें यह सुनिश्चित करना है कि हर कर्मचारी प्रशिक्षित हो, जागरूक हो और नियमों का पालन करे। मैं प्रशिक्षको का आभार व्यक्त करता हूँ, जो इस महत्वपूर्ण विषय पर आपको प्रशिक्षण दे रहे हैं। साथ ही, मैं सभी उपस्थित कर्मचारियों से अपेक्षा करता हूँ कि वे इस प्रशिक्षण को गंभीरता से लें और इसे अपने दैनिक कार्य में आत्मसात करें। अन्त में मैं यही कहना चाहूंगा कि स्वच्छता, सुरक्षा और स्वास्थ्य की दिशा में बायोमेडिकल वेस्ट प्रबंधन एक आवश्यक कदम है। हम सब मिलकर इस जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा से निभाएं।इस अवसर पर डा॰ ले॰ कर्नल सी॰बी॰एस॰ पटेल, डा॰ सरिता पाण्डेय, डा॰ राजश्री यादव, डा॰ अरविन्द पटेल, डा॰ चन्द्रभान, डा॰ जितेन्द्र, डा॰ अचल सिंह, डा॰ ममता, डा॰ नवीन कुमार सिंह, डा॰ आदर्श यादव, डा॰ बृजेश, डा॰ अरविन्द यादव, डा॰ जय सूर्या, डा॰ अलिशा अंजुम, डा॰ पंकज कुमार इत्यादि चिकित्सक, नर्सिंग अधिकारी एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारीगण प्रशिक्षण के लिए उपस्थित रहें।

संदिग्ध परिस्थितियों में अधेड़ की मौत

चिकित्सक ने कहा मौत का सही कारण पीएम के बाद पता चलेगा

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। गुरुवार की सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में एक अधेड़ की मौत हो गयी।जिससे पूरे गॉव में हड़कंप मच गया।

जानकारी के अनसार कोतवाली अंतर्गत ग्राम पूरासरवन निवासी 55 वर्षीय पन्नालाल पुत्र स्व.टिलठू बिंद गुरुवार की सुबह लहभग पांच बजे अपने घर से कुछ दूर स्थित अपने खेत मे लौकी तोड़ने गया था। तभी अचानक उसकी हालत बिगड़ने लगी। आननं फानन में घर पहुंचा और पानी पिया। तबियत और बिगड़ते देख परिजन एक निजी अस्पताल में ले गए। जहां चिकित्सकों ने हालत गम्भीर देखते हुए रेफर कर दिया। उसके बाद परिजन पन्नालाल को लेकर सामुदायिक स्वास्थ केंद्र लाये। जहां प्रथम दृष्टया चिकित्सकों ने पन्नालाल को मृत घोषित कर दिया। अस्पताल में इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डाक्टर आरबी यादव से पूछने पर उन्होंने कहा की मौत की सही वजह पोस्टमार्टम के बाद ही पता चल पाएगी। शरीर पर किसी तरह के किसी विषैले जन्तु के काटने का कोई निशान नही मिला है। वही परिजनों में भी मौत की सही वजह को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई थी। कोई कह रहा था की किसी साँप ने काटा है तो कोई कह रहा है हृदयघात होने के कारण मौत हुई है। सब मिलाकर मौत का कारण संदिग्ध बनी हुई है।

खबर लिखे जाने तक मृतक शव को उनके परिजन घर लेकर चले गए। इस सम्बंध में प्रभारी निरीक्षक दीपेंद्र सिंह से पूछने पर उन्होंने कहा की मैं अभी बाहर हूँ मामले की जानकारी मेरे संज्ञान में नहीं है।

इंटरनेशनल प्लास्टिक बैग फ्री डे पर निकाली गई जागरूकता रैली, वितरित किए कपड़े के थैले

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर पालिका परिषद जौनपुर की ओर से अंतरराष्ट्रीय प्लास्टिक बैग फ्री डे के अवसर पर गुरुवार को शहीद भगत सिंह पार्क में भव्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष श्रीमती मनोरमा रामसूरत मौर्या, अधिशासी अधिकारी पवन कुमार एवं प्रतिनिधि डा. रामसूरत मौर्या द्वारा शहीद भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर की गई। इस दौरान पौधरोपण भी किया गया। इसके बाद प्लास्टिक प्रदूषण के खिलाफ आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह रैली शहीद भगत सिंह पार्क से प्रारंभ होकर सब्जी मंडी होते हुए टाउन हॉल मैदान में जाकर समाप्त हुई। रैली में नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी, स्कूली बच्चे, समाजसेवी, सफाईकर्मी एवं स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में शामिल हुए। नगर पालिका इंटर कालेज के प्रधानाध्यापक रमेश सिंह और बच्चों को भी सम्मानित किया।रैली के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष, अधिशासी अधिकारी एवं प्रतिनिधि ने दुकानदारों और आम लोगों को प्लास्टिक के थैलों के स्थान पर कपड़े या जूट के थैले प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस दौरान लोगों को कपड़े से बने सैकड़ों थैले भी वितरित किए गए। नगर पालिका परिसर में कार्यक्रम का समापन स्वच्छता एवं प्लास्टिक मुक्त भारत निर्माण की शपथ के साथ किया गया।

अध्यक्ष मनोरमा रामसूरत मौर्या ने कहा प्लास्टिक हमारे पर्यावरण और जीवन के लिए गंभीर खतरा है। यह न केवल मिट्टी और जल को प्रदूषित करता है, बल्कि पशु-पक्षियों के जीवन पर भी असर डालता है। हम सभी का यह कर्तव्य है कि प्लास्टिक का उपयोग बंद कर पर्यावरण को सुरक्षित बनाएं। प्रतिनिधि डा. रामसूरत मौर्या ने कहा प्लास्टिक का विकल्प हमारे पास मौजूद है, जरूरत है केवल आदत बदलने की। जागरूकता और जिम्मेदारी के साथ हम जौनपुर को प्लास्टिक मुक्त बना सकते हैं। आज का आयोजन उसी दिशा में एक छोटा लेकिन मजबूत कदम है।अधिशासी अधिकारी पवन कुमार ने कहा कि आज की यह रैली केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि एक जन आंदोलन की शुरूआत है। नगर पालिका लगातार प्रयास कर रही है कि शहर को स्वच्छ, सुंदर और प्लास्टिक मुक्त बनाया जा सके। हम सभी से अपील करते हैं कि प्लास्टिक का बहिष्कार करें और कपड़े के थैले अपनाएं।इस दौरान हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने स्वच्छता एवं प्लास्टिक मुक्त शहर बनाने की शपथ ली। कार्यक्रम का संचालन सलमान शेख ने किया। आभार डीपीएम खुशबू यादव ने व्यक्त किया।इस अवसर पर सभासद दल के नेता नंदलाल यादव, निवर्तमान भाजपा उत्तरी अध्यक्ष विकास शर्मा, केदारनाथ सिंह, रंजना सिंह, रागिनी मौर्य, संतोष मौर्य, राजदेव यादव, दयाशंकर सिंह, अवधेश राय, नगर पालिका इंटर कॉलेज के समस्त अध्यापक, नगर पालिका के अधिकारी, कर्मचारी आदि लोग मौजूद रहे।

सामाजिक संगठन की नींव अच्छी सोच के साथ समाजसेवा के लिए किया जाना चाहिएः फिरदौस जहाँ खानम

फिरदौस जहाँ खानम की अध्यक्षता में जेडएफएम फाउंडेशन की नए सदस्यों के साथ बैठक सम्पन्न

जीशान अहमद खान ब्यूरो

फूलपुर,आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जेड एफ एम फाउंडेशन द्वारा नए सदस्यों के साथ एक अहम बैठक मुख्य कार्यालय फूलपुर में संम्पन हुई। संस्था में शामिल हुए नए सदस्यों संग इस बैठक की अध्यक्षता संगठन की अध्यक्ष फिरदौस जहाँ खानम ने किया। उन्होंने नए सदस्यों का स्वागत किया। अपने संबोधन कहा की, सामाजिक संगठन की नींव अच्छी सोच के साथ समाजसेवा के लिए किया जाना चाहिए और समाज के प्रति समर्पित सभी लोगों का जेड एफ एम में स्वागत है।संस्था आप सभी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर समाज में जरूरतमंदों दबे कुचले पिछड़ों को उनका हक किसी भी माध्यम से दिलाने के लिए कार्य करती रहेगी और सामाजिक सेवा में महिलाओं की भागीदारी आप सभी के माध्यम से सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों ने आपने अपने सम्बोधन में जोर देकर कहा की हम सब पूरी ईमानदारी और ताकत के साथ जेड एफ एम के साथ खड़े रहेंगे। रफीक फूलपुरी, मनोज गुप्ता, राहुल कुमार आंचल, मदनलाल ने भी किया इस अवसर पर सूरज कुमार, रामकेवल यादव नरेश कुमार शमशाद अहमद तैयब खान मुकेश कुमार इरशाद, अरविंद कुमार, जुल्मी, विजेंद्र कुमार, वसीम अख्तर, वकास अहमद, राजेश कुमार, दिवाकर रामकिशन, सुनील, तिवारी विनोद लालजीत, रामहित राव राजदेव, सचिन कुमार, शिवम बरनवाल, अंगद, दानिश, अजीम, वसीम, नरेश, गोविन्द विन्द, आयुष्मान सहित आदि लोग रहे।

खेतासरायः उद्यम सखी योजना के तहत 51 महिलाओं ने दी परीक्षा

-निशानाथ

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खंड शाहगंज के सभागार में गुरुवार को मुख्यमंत्री उद्यम सखी योजना के अंतर्गत 51 महिला अभ्यर्थियों की लिखित परीक्षा का सफल आयोजन किया गया। यह योजना ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और स्वरोजगार के लिए प्रेरित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। परीक्षा प्रातः निर्धारित समयानुसार प्रारंभ हुई।जिसमें क्षेत्र के विभिन्न गांवों से चयनित महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समस्त परीक्षा प्रक्रिया की निगरानी खण्ड विकास अधिकारी पीयूष त्रिपाठी द्वारा की गई, जिनके दिशा-निर्देशन में पूरी व्यवस्था सुचारु रूप से संचालित हुई।इस अवसर पर एडीओ आइएसबी, प्रमोद कुमार सिंह, बीएमएम प्रियंका उपाध्याय, एसीएफ राकेश बहादुर सिंह, विमला देवी,ज्योति ज्वाला,संदीप द्विवेदी,प्रिंकेश कुमार,सहित सीएलएफ सदस्य भी उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों की समन्वित भूमिका से कार्यक्रम को व्यवस्थित रूप में संपन्न किया गया।

शातिर गोतस्कर की अपाची बाइक गैंगेस्टर एक्ट के तहत कुर्क

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। खेतासराय पुलिस ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए कुख्यात गोतस्कर एवं दुराचारी असलम पुत्र स्व:हबीब, निवासी लेदरही, थाना खेतासराय, जनपद जौनपुर की अवैध संपत्ति को कुर्क किया। पुलिस ने आरोपी द्वारा आपराधिक गतिविधियों से अर्जित धन से खरीदी गई अपाचे मोटरसाइकिल (रजि. संख्या वद62उव1397) को उत्तर प्रदेश गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 14(1) के अंतर्गत जब्त कर लिया। बाइक की अनुमानित कीमत 1,23,930 बताई जा रही है।थानाध्यक्ष खेतासराय रामाश्रय राय ने बताया कि यह कार्रवाई गैंगेस्टर एक्ट के अंतर्गत दर्ज मुकदमे के तहत की गई। जिला मजिस्ट्रेट जौनपुर के आदेश पर नायब तहसीलदार शाहगंज शीतला प्रसाद सिंह की उपस्थिति में मुनादी कराकर संपत्ति कुर्क की गई।पुलिस सूत्रों के अनुसार आरोपी असलम का आपराधिक इतिहास बेहद गंभीर है। उसके खिलाफ थाना खेतासराय, महाराजगंज तथा सुजानगंज में कई संगीन धाराओं के तहत मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस की इस कार्रवाई से इलाके में अपराधियों में खलबली मच गई है।

विशेष चेकिंग अभियान में 04 स्कूली वाहनों का हुआ चालान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। परिवहन आयुक्त उ०प्र० एवं जिलाधिकारी के आदेशानुसार 01 जुलाई 2025 से 15 जुलाई 2025 तक स्कूली वाहनों के प्रति विशेष चेकिंग अभियान चलाये जाने के निर्देश दिये गये है।उक्त के अनुपालन में 03 जुलाई 2025 को जनपद के विभिन्न स्थानों यथा जेसिस चौराहा, सिपाह तिराहा, पचहटिया तिराहा, लाइन बाजार में स्कूली वाहनों के विरूद्ध कुल 62 स्कूली वाहनों का सघन जॉच की गयी, जिसमें मानक के अनुरूप न पाये जाने वाले 04 स्कूली वाहनों का चालान/बन्द की कार्यवाही की गयी है।उक्त के साथ जनपद के समस्त स्कूल प्रबन्धकों एवं वाहन स्वामियों से अपील किया गया कि वाहनों को मानक के अनुरूप कराकर ही संचालन किया जाय। उक्त अवसर पर समस्त प्रवर्तन कार्मिक उपस्थित रहे।

भारत के उभरते हुए शहर दे रहे हैं बेहतर वेतन

पटना (उत्तरशक्ति)। इनडीड के पहले पेमैप सर्वे ने भारत में वेतन के परिदृश्य में महत्वपूर्ण बदलाव प्रदर्शित किया है। हैदराबाद, चेन्नई और अहमदाबाद जैसे शहरों में करियर आधारित वेतन बढ़ रहे हैं। ये शहर पारंपरिक आर्थिक केंद्रों से बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। जहाँ देश में कर्मचारियों का औसत वेतन पिछले साल लगभग 15% बढ़ा, वहीं सबसे आशाजनक विकास पारंपरिक आर्थिक केंद्रों की बजाय उभरते हुए शहरों में देखने को मिला। ये नतीजे 1,311 नियोक्ताओं और 2,531 कर्मचारियों के सर्वे पर आधारित हैं। इस सर्वे का उद्देश्य कोरोना महामारी के बाद के समय में अर्थव्यवस्था में वेतन के बेंचमार्क, क्षेत्रीय रुझान और कर्मचारी भावना को समझना है। चेन्नई प्रवेश स्तर के वेतन चार्ट में सबसे आगे है, जहाँ सभी क्षेत्रों में फ्रेशर्स (0-2 वर्ष) की कमाई रुपए 30,100 प्रति माह है। दूसरी ओर, हैदराबाद में मध्य या वरिष्ठ स्तर पर वेतन ज्यादा है, जहाँ 5 से 8 वर्ष के अनुभव वाले प्रोफेशनल्स रुपए 69,700 प्रति माह तक कमाते हैं। इनडीड इंडिया के सेल्स हेड, शशि कुमार ने कहा, ‘वेतन के समीकरण बदल रहे हैं। कर्मचारी उन शहरों को प्राथमिकता दे रहे हैं, उन्हें जीवनयापन तथा करियर में संभावनाएँ बनाए रखने के लिए पर्याप्त वेतन मिलता है। हमारे डेटा के मुताबिक विकास अब केवल सबसे बड़े महानगरों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि अन्य शहरों में भी अवसर उत्पन्न हो रहे हैं।’ सर्वे में यह भी सामने आया कि 69 प्रतिशत कर्मचारियों को लगता है कि उनकी आय उनके शहर में रहने की लागत के अनुरूप नहीं है। यह असमानता दिल्ली (96 प्रतिशत), मुंबई (95 प्रतिशत), पुणे (94 प्रतिशत) और बैंगलोर (93 प्रतिशत) जैसे ज्यादा खर्च वाले महानगरों में सबसे अधिक स्पष्ट है। साथ ही, चेन्नई, हैदराबाद, अहमदाबाद और कोलकाता जैसे शहरों को अधिक किफायती माना जाता है।

धरती आबा बिरसा मुंडा के रास्ते पर चल कर आदिवासी, मुसहर समाज का सम्मान: राकेश मौर्य

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बृहस्पतिवार को आदिवासी स्वाभिमान पार्टी (बिरसा मुंडा) के तत्वाधान में विधानसभा क्षेत्र केराकत के विकास खंड मुफ्तीगंज अंतर्गत ग्राम अमृत सरोवर स्थल परौवाँ में मुसहर सम्मान सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन के आयोजक राष्ट्रीय अध्यक्ष गिरजा शंकर मुसहर तथा मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी जौनपुर के जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य रहे।कार्यक्रम के आरंभ में सर्वप्रथम उपस्थित मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी जौनपुर के जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष गिरजा शंकर मुसहर एवं प्रदेश अध्यक्ष विजय कुमार आदिवासी सहित आयोजक गणों ने आदिवासियों के भगवान धरती आबा बिरसा मुंडा, संविधान निमार्ता बाबासाहब डॉ.भीमराव अंबेडकर एवं तथागत भगवान गौतम बुद्ध के चित्र पर एवं संविधान निमार्ता बाबासाहब डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित किया।तत्पश्चात समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष एवं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राकेश मौर्य ने कहा कि वर्तमान सरकार में पिछड़ा दलित आदिवासी अल्पसंख्यक सबके अधिकार छीने जा रहे हैं, और सबसे ज्यादा उत्पीड़न इसी समाज का किया जा रहा है ऐसे में हमें भगवान बिरसा मुंडा के बताए रास्ते पर चलकर ही आदिवासी, मुसहर समाज का मान सम्मान एवं अधिकार पाया जा सकता है।मुझे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जी के प्रतिनिधि के रूप में यहां भेजा गया मैं आदिवासी अनुसार समाज को विश्वास दिलाता हूं।राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के पीडीए आंदोलन में आदिवासी समाज की लड़ाई लड़ने का संकल्प लिया गया है।मुख्य अतिथि राकेश मौर्य ने कहा कि अपना हक, अधिकार और सम्मान बचाने के लिए आदिवासी मुसहर, समाज को एकजुट और संगठित हो समाजवादी पार्टी के पीडीए आंदोलन को मजबूत करना पड़ेगा।कार्यक्रम के आरंभ में उपस्थित आदिवासियों एवं मुसहर समाज के लोगों ने मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य का माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया।इस अवसर पर सपा नेता संजय सरोज, आदिवासी स्वाभिमान पार्टी के सलाहकार हरिकेश यादव, डॉ.ए के यादव, प्रदेश प्रभारी, विजय कुमार आदिवासी प्रदेश अध्यक्ष, अशोक आदिवासी, अशोक आदिवासी, राजकुमार आदिवासी, तहसीलदार आदिवासी, कौशल्या आदिवासी, मंजू आदिवासी, शांति आदिवासी, श्रीकांत निराला, रामदरश आदिवासी सुरेन्द्र आदिवासी सहित अन्य पदाधिकारी गण मौजूद रहे।आरिफ हबीब ज़िला महासचिव समाजवादी पार्टी ने दी है।

नदी में नहाने गया किशोर डूबने से हुई मौत, मचा कोहराम

-धर्मेंद्र कुमार शर्मा

बदलापुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकासखंड के कृष्णापुर गांव में गोमती नदी में नहाने गए करीब बारह वर्षीय किशोर की डूबने से मौत हो गई। हादसे के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार, भेलूपुर गांव निवासी सत्तू निषाद का करीब बारह वर्षीय पुत्र प्रिंस निषाद तीन दिन पूर्व अपने मौसा अशोक निषाद निवासी कृष्णापुर आया था। गुरुवार की दोपहर वह अपने कुछ साथियों के साथ गोमती नदी में नहाने गया था। नहाते समय वह गहरे पानी में चला गया और देखते ही देखते डूबने लगा।

वही साथी बच्चों के शोर मचाने पर आस-पास के लोगों और परिजनों ने आनन-फानन में उसे नदी से बाहर निकाले और बदलापुर के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने देखते ही उसे मृत घोषित कर दिया। उधर मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

बॉलीवुड ट्रीट्स में 5 जुलाई से शुरू होगा देशभर के जायकों का संगम

पटना (उत्तरशक्ति)। यदि आप भी उन लोगों में से हैं जो देशभर की गलियों में मिलने वाले देसी स्ट्रीट फूड का असली स्वाद चखना चाहते हैं, लेकिन सफर करने का वक्त नहीं मिलता – तो आपके लिए एक सुनहरा मौका है। पटना के प्रतिष्ठित होटल मौर्या के बॉलीवुड ट्रीट्स रेस्टोरेंट में 5 जुलाई से 13 जुलाई तक आयोजित होने जा रहा है एक बेहद खास स्ट्रीट इट्स फूड फेस्टिवल, जो स्वाद, माहौल और अनुभव – तीनों का शानदार संगम पेश करेगा। इस नौ-दिवसीय फेस्टिवल में हर दिन दोपहर 1 बजे से रात 11 बजे तक आने वाले मेहमानों को देश के अलग-अलग हिस्सों के लजीज और लोकप्रिय स्ट्रीट फूड आइटम्स परोसे जाएंगे – वह भी बिल्कुल उसी अंदाज में, जैसे आप किसी ठेले या हाट में खा रहे हों। फेस्टिवल का सबसे बड़ा आकर्षण है इसका मेनू, जो भारत की हर दिशा से चुने गए अनोखे व्यंजनों को एक साथ पेश करता है। उत्तर भारत की गलियों की खुशबू लाती मटर कुलचा, भल्ला पापड़ी चाट, दही गुजिया, और पूर्वांचल की पहचान लिट्टी-चोखा के साथ आलू-बैंगन का चोखा यहाँ मौजूद होगा। दक्षिण भारत का चाउमीन डोसा, महाराष्ट्र की प्रसिद्ध शेगांव कचौरी, और मुंबई की कोलीवाडा स्टाइल फ्राइड फिश, प्रॉन, और रोज ऑमलेट जैसे स्ट्रीट फेवरिट्स भी स्वादप्रेमियों के लिए खास आकर्षण रहेंगे। इसके अलावा पत्ता चाट जैसे कुछ अनसुने लेकिन पारंपरिक व्यंजन भी पेश किए जा रहे हैं, जो कई लोगों के लिए बिल्कुल नया अनुभव होंगे। मिठाइयों और पेय पदार्थों में लायची शिकंजी, अम्रखंड, और फालूदा जैसे विकल्प मुहैया कराए जाएंगे। इस फूड फेस्टिवल की सबसे खास बात यह है कि यहाँ सिर्फ स्वाद ही नहीं, बल्कि वास्तविक स्ट्रीट फील का भी पूरा इंतजाम है। रेस्टोरेंट को बॉलीवुड रेट्रो थीम में सजाया गया है, जहाँ पारंपरिक सजावट, हल्का संगीत और लोकसंस्कृति की झलक दिखाई देगी। गोलगप्पे, चाट और ठंडाई की कुछ स्टॉल्स इस अंदाज में तैयार की गई हैं कि ग्राहक को ऐसा लगे जैसे वह सचमुच किसी मेले या हाट में खड़े होकर चख रहा हो।

होटल मौर्या के महाप्रबंधक अपूर्व गौर ने बताया कि ‘हमने इस आयोजन को सिर्फ खाने का उत्सव नहीं, बल्कि एक अनुभव की तरह तैयार किया है। हमारा उद्देश्य है कि लोग बिना सफर किए भारत की विविधता को उसकी सड़कों के जरिए महसूस कर सकें – हर थाली एक कहानी सुनाए, हर स्वाद एक जगह की याद दिलाए। यह अनुभव परिवारों, दोस्तों और बच्चों सभी के लिए यादगार होगा। बॉलीवुड ट्रीट्स के रेस्टोरेंट मैनेजर राकेश कुमार ने कहा, ‘हम चाहते थे कि लोग जब यहाँ आएं, तो सिर्फ खाना न खाएं – बल्कि कुछ पलों के लिए खुद को देश की सड़कों, गलियों और बाजारों में महसूस करें। इसलिए सजावट से लेकर संगीत और सर्विंग स्टाइल तक, हर चीज को उसी माहौल के हिसाब से तैयार किया गया है। रेस्टोरेंट के शेफ दिलीप कुमार यादव ने कहा, ‘हमने देशभर की स्ट्रीट रेसिपीज को पारंपरिक विधि से तैयार किया है, लेकिन स्वच्छता और गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया गया है। हमारा मकसद है कि हर स्वाद में उस जगह का अपनापन महसूस हो – चाहे वो बनारस का चाट हो या मुंबई का स्ट्रीट सीफूड। पटना जैसे सांस्कृतिक शहर में इस तरह का आयोजन शहरवासियों के लिए एक खास अवसर बनकर आया है। स्थानीय नागरिकों को देश के कोने-कोने के जायकों से रूबरू होने का मौका मिलेगा, वो भी एक स्वच्छ, सुरक्षित और पारिवारिक माहौल में।

सातवीं मोहर्रम पर निकला अलम जुलूस,अकीदतमंद इमामबाड़ा पहुँचकर पढ़ा फातिहा

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सातवीं मोहर्रम का जुलूस गुरुवार को हजरत अब्बास अलमदार की याद में निकला । अलम का जुलूस शहीदी चौक से प्रारंभ होकर विभिन्न चौक होकर ताजियेदार शाम को इमामबाड़ा पहुँचकर फातिहा पढ़ा ।यातायात के लिहाज से खुटहन रोड को आधे घंटे के लिए डाइवर्ट रहा ।अलम का निकला जुलूस में ताजियेदार तबल बजाते चल रहे थे।जगह जगह लोगों ने शर्बत और तबर्रुक भी तकसीम किया गया।लगभग देढ़ दर्जन ताजियेदारो का समूह सायंकाल इमामबाड़ा पहुँचकर अकीदतमंदों ने फातिहा पढ़ा । पुनः उसी मार्ग ताजियेदार अपने अपने चौक पहुँचे । जुलूस मार्ग को देखते हुए पुलिस ने 3:30 बजे से चार बजे तक खुटहन रोड को रुट डाइवर्ट कर के रखा । सुरक्षा की दृष्टि से थानाध्यक्ष रामाश्रय राय पुलिस बल के साथ चक्रमण करते दिखे । इस मौके पर प्रमुख रूप से मोहम्मद परवेज अंसारी, मोहम्मद राजू फारुकी, जाहिद फारुकी, अकरम फारूकी, मोहम्मद असलम खान, मोहम्मद तबरेज, मोहम्मद अब्दल, मोहम्मद कलीम सलमानी, वामिक अंसारी समेत अन्य लोग शामिल रहे ।

50 हजार का इनामिया ठग गिरफ्तार

आजमगढ़। आजमगढ़ निवासी मोहम्मद सादिक ने बिलरियागंज थाने में मध्य प्रदेश के हरदा थाना क्षेत्र के वार्ड नं.-29 डा.जाकिर हुसैन वार्ड निवासी जाकिर खान के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप था कि खुद को कोयला सप्लाई का व्यवसायी बताकर आरोपी ने अलग-अलग तिथियों में कुल 62 लाख रुपये एडवांस में लिए और कोयला नहीं भेजा। पीड़ित की तहरीर पर थाना बिलरियागंज में मुकदमा पंजीकृत किया गया। जाकिर खान फरार चल रहा था और उस पर डीआईजी आजमगढ़ द्वारा 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। एसटीएफ मुख्यालय लखनऊ को सूचना मिली कि जाकिर मुंबई के विक्रोली क्षेत्र में छिपा है। इसके बाद टीम में शामिल उनि जावेद आलम सिद्दीकी, उनि. चन्द्रप्रकाश मिश्र, हेड कांस्टेंबिल मृत्युंजय सिंह, यशवंत सिंह व कांस्टेबिल कुम्भदेश कुमार ने 30 जून को दोपहर 12.20 बजे विक्रोली स्थित पार्क साइट थाना क्षेत्र से आरोपी को धर दबोचा।

किसानों को नवीनतम पद्धति की दी जा रही जानकारी: जिला उद्यान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला उद्यान अधिकारी ने अवगत कराया है कि बागवानी, विशेषकर आम की खेती से जुड़े किसानों को लाभान्वित करने हेतु विभाग द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों के अन्तर्गत किसान को नवीनतम बागवानी तकनीकों का उपयोग करने, आम के पौधों का स्वास्थ्य और विकास, सिंचाई और पोषण प्रबंधन, कीट एवं रोग नियंत्रण उपायों का अनुपालन, किसानों द्वारा अपनाई जा रही उन्नत कृषि पद्धतियाँ आदि की जानकारी दी जाती है। इसके साथ ही रोगग्रस्त पौधों की पहचान और उनकी रोकथाम हेतु सलाह, जैविक और रासायनिक कीटनाशकों/कवकनाशकों के उचित उपयोग पर मार्गदर्शन, आवश्यकतानुसार फील्ड प्रदर्शन और व्यावहारिक प्रशिक्षण, नवीनतम शोध के आधार पर रोगों के प्रबंधन की जानकारी हेतु विभागीय विशेषज्ञ किसानों को जानकारी देने के साथ ही प्रभावी समाधान प्रदान करते है। साथ ही समय-समय पर बागवानी से लाभान्वित आम के किसानों का सघन निरीक्षण किया जाता है। निरीक्षण के दौरान या किसानों द्वारा सूचित किए जाने पर, आम की फसलों में लगने वाले रोगों और कीटों की पहचान की जाती है। किसान दिवस में राष्ट्रीय बागवानी मिशन के अंतर्गत विभिन्न घटकों पर सब्सिडी, नवीनतम बागवानी तकनीकों का प्रशिक्षण, गुणवत्तापूर्ण पौध सामग्री की उपलब्धता, बागवानी उत्पादों के विपणन में सहायता, ड्रिप सिंचाई, शेड नेट, पॉलीहाउस आदि के लिए प्रोत्साहन के बारे में जानकारी दी जाती है। किसान गोष्ठियों के माध्यम से प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना एवं उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति 2023 का प्रचार-प्रसार किया जाता है।

जौनपुर: बेलाँव हत्याकांड में पूर्व सांसद धनंजय सिंह सहित चार आरोपी दोषमुक्त

15 वर्ष पूर्व टोल टैक्स के विवाद में गोली मारकर हुई थी दोहरी हत्या

न्यायालय पर मुझे पूरा भरोसा था,मुझे साजिश के तहद फसाया गया था:पूर्व संसद धनंजय सिंह

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। अपर सत्र न्यायाधीश चतुर्थ (विशेष न्यायाधीश एमपी/ एमएलए) शारिक सिद्दीकी की अदालत ने 15 वर्ष पूर्व गोमती नदी के पुल के ठेके को लेकर हुए विवाद में गोली मारकर दोहरे हत्या के आरोपी पूर्व सांसद धनंजय सिंह, आशुतोष सिंह, पुनीत सिंह व सुनीत सिंह को अदालत ने साक्ष्य के अभाव में दोषमुक्त कर दिया। अभियोजन कथानक के अनुसार केराकत थाना क्षेत्र के बेलाँव गांव निवासी राजेंद्र ने मुकदमा दर्ज करवाया कि गोमती नदी पर पुल बना है जिसके टोल का टीका 8-9 वर्ष पहले से मेरे पिताजी के नाम से है। बैरियर पर गोमटी रखकर परिवार के लोग टैक्स की वसूली करते हैं। पास में नंदलाल की चाय की दुकान है। 01 अप्रैल 2010 को सुबह 5:15 बजे छोटेलाल, नंदलाल बैरियर पर थे तथा मैं मेरा लड़का वीरेंद्र, संजय, योगेंद्र और संजय के दोस्त उमाशंकर बैरियर के पीछे स्थित आवास पर थे। तभी छोटेलाल ने संजय को आवाज दिया की मोटरसाइकिल से तीन लोग आए हैं और टोल का पैसा नहीं दे रहे हैं। संजय के पैसा मांगने पर दोनों बदमाश संजय व नंदलाल को गोली मार दिए और बेलाँव गांव की ओर भाग गए। दोनों घायलों को तुरंत सिंह नर्सिंग होम वाराणसी ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। 31 मार्च की शाम 6:00 बजे यही तीनों बदमाश टोल को लेकर कहा सुनी किए थे। जिसमें से एक 40 वर्ष का व अन्य दोनों 20 वर्ष के थे। विवेचना के दौरान धनंजय सिंह, आशुतोष सिंह, पुनीत सिंह एवं सुनीत सिंह का नाम प्रकाश में आया।

पुलिस ने चारों के विरुद्ध आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता आशीष कुमार सिंह के द्वारा कुल 20 गवाह परीक्षित करवाए गए। अधिकतर गवाह अपने बयान से मुकर गए। परीक्षित कराए गए गवाहों के बयान एवं पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों के परिशीलन के पश्चात अदालत ने चारों आरोपियों को साक्ष्य के अभाव में दोष मुक्त कर दिया।

एडीओ, एसटी द्वारा अभद्र भाषा का प्रयोग करने पर रोजगार सेवक आक्रोशित

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बृहस्पतिवार को विकास खण्ड शाहगंज कार्यालय परिसर में एडीओ,एसटी द्वारा सामूहिक रूप से अभद्रता का प्रयोग किए जाने से रोजगार सेवक आक्रोशित हो उठे। रोजगार सेवकों ने बीडीओ को पत्र पत्र देकर एडीओ से सामूहिक क्षमा याचना की मांग की है।जानकारी विकास खण्ड कार्यालय सोंधी परिसर में बृहस्पतिवार की शाम 5 बजे जब कार्यालय बंद हो रहा था उसी समय ब्लाक मुख्यालय पर तैनात ए डी ओ राकेश बहादुर सिंह द्वारा सामूहिक रूप से रोजगार सेवकों के विरुद्ध अभद्र भाषा का प्रयोग किया। इस पर मौके पर मौजूद कुछ रोजगार सेवकों ने सुन लिया। बाद में रोजगार सेवक संघ के ब्लाक अध्यक्ष निशा नाथ के नेतृत्व में रोजगार सेवकों का समूह नारेबाजी करते हुए बीडीओ से मिलकर ए डी ओ के विरुद्ध शिकायती पत्र सौंपा। पत्र में मांग की गई की ए डी ओ अपनी अभद्र भाषा के लिए माफी मांगे अन्यथा रोजगार सेवक कार्य बहिष्कार के लिए बाध्य होंगे।

वर्जन इस संबंध में बी डी ओ पीयूष त्रिपाठी का कहना है रोजगार सेवकों द्वारा एडीओ,एसटी के खिलाफ अभद्र भाषा के प्रयोग की शिकायत थी दोनों पक्षों को समझा बुझा कर भविष्य में मर्यादित भाषा का प्रयोग करने की हिदायत दे दी गई है।

मालाड में प्रधानाध्यापक जयशंकर पांडेय की शानदार विदाई समारोह संपन्न

मुंबई। मालाड पूर्व स्थित पुष्पा पार्क मनपा शाला सभागृह में एम. एच. बी. हिंदी शाला क्र. 1 के शाला परिवार व शाला व्यवस्थापन समिति द्वारा मनपा प्रधानाध्यापक जयशंकर पांडेय का सेवा संपूर्ति सम्मान समारोह पूर्व उप शिक्षणाधिकारी अशोक मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस अवसर पर मंच पर उपस्थित अतिथियों में प्रशासकीय अधिकारी सुचिता खाडे, पूर्व विभाग निरीक्षक रामराज पाल, प्रभारी विभाग निरीक्षक फूलादेवी जायसवाल एवं नम्रता गोसावी, वरिष्ठ पत्रकार व साहित्यकार शिवपूजन पांडेय, राज्य पुरस्कृत शिक्षक वकील प्रसाद पांडेय, माताचरण मिश्र तथा उत्तर भारतीय संघ के वसई तालुका अध्यक्ष राजेश पांडेय ने सपत्नीक जयशंकर पाडेय को अपने सारगर्भित शब्दों में सेवा संपूर्ति की बधाई दी। कार्यक्रम में सत्कार मूर्ति पांडेय जी के वयोवृद्ध पिता छविनाथ पांडेय की उपस्थिति एवं आशीर्वचन उल्लेखनीय रहे। अपने शुभेच्छा वक्तव्य में पूर्व प्रधानाध्यापक वीरेंद्र सिंह, रमाशंकर यादव, वरिष्ठ शिक्षक अजय सिंह, धर्मेंद्र त्रिपाठी, रामकुमार राय, पंचदेव मौर्य, दिनेश सिंह,राजेश गिरि ने गणित एवं विज्ञान के आदर्श शिक्षक रहे पांडेय जी के साहित्य संगीत एवं कला के प्रति लगाव की चर्चा करते हुए उनके त्याग, सेवा और समर्पण की भावना की सराहना की। पत्रकार शिवपूजन पांडेय ने कहा कि जयशंकर पांडेय की इस सफलता के पीछे उनकी पत्नी और बच्चों का सहयोग अतुलनीय है। पूर्व प्रधानाध्यापक ईश्वरदेव पाल ने सुंदर विदाई गीत प्रस्तुत करके जयशंकर पांडेय को शुभकामनाएं दीं। सत्कार मूर्ति के बच्चों ने अपने पिता के प्रति अपने मनोभावों को व्यक्त करके कार्यक्रम को यादगार बना दिया। इसके पूर्व कार्यक्रम के शुभारंभ में संगीतकार राजेश सिंह ने सुंदर ढंग से सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया तथा बीच बीच में अपने सुमधुर गीतों से वातावरण को मनमोहक कर दिया। कार्यक्रम का सुंदर सूत्र संचालन कलाकार शिक्षक राजीव मिश्र ने किया। सत्कार मूर्ति जयशंकर पांडेय के सम्मान में पूर्व प्रधानाध्यापक ईश्वरदेव पाल द्वारा लिखित अभिनंदन पत्र का वाचन शाला के शिक्षक अशोक पाल ने किया। सभागृह में जयशंकर पांडेय को शुभकामनाएं देने वालों में उनके सगे-संबंधियों एवं तमाम चाहने वाले, दूर-दराज से आए शिक्षक, शिक्षिकाओं के अतिरिक्त से. नि. वरिष्ठ शिक्षक लवकुमार मिश्र, पूर्व प्रधानाध्यापक अशोक सिंह, पी उत्तर विभाग के प्रधानाध्यापक चंद्रभान राम,शिवशंकर तिवारी, सरिता चौहान, बजरंगलाल यादव, राकेश पांडेय, महेंद्र पासी, रामचंद्र जैसवार,गोविंद वर्मा, प्रहलाद प्रजापति, तथा वरिष्ठ शिक्षक मनोज त्रिपाठी, रमेश यादव, सुधीरानंद पांडेय प्रमुख रहे। वरिष्ठ शिक्षक महेंद्र विश्वकर्मा ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया। राष्ट्र गीत के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

टाटा मोटर्स के साथ साझेदारी से श्री नासिक गुड्स ट्रांसपोर्ट का परिचालन और मजबूत

नवी मुंबई। श्री नासिक गुड्स ट्रांसपोर्ट पिछले तीन दशकों से लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में एक भरोसेमंद नाम बना हुआ है। महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली और राजस्थान में इस कंपनी ने समय पर डिलीवरी और ग्राहक-केन्द्रित सेवाओं के जरिए अपनी खास पहचान बनाई है। यह कंपनी राजेश कटिरा और उनके बेटे चिराग कटिरा के नेतृत्व में संचालित एक पारिवारिक व्यवसाय है, जो समय के साथ लगातार खुद को निखारता रहा है। टाटा मोटर्स के साथ इसकी 20 साल पुरानी साझेदारी ने इसे आधुनिक ट्रकों और बेहतर सेवा क्षमताओं से सशक्त बनाया है। आज श्री नासिक गुड्स ट्रांसपोर्ट के पास 250 से अधिक वाहनों का बड़ा फ्लीट है, जिनमें अधिकतर टाटा मोटर्स के इंटरमीडिएट, लाइट और मीडियम कमर्शियल व्हीकल्स शामिल हैं। ये ट्रक मजबूत, टिकाऊ और बेहतर परफॉर्मेंस के लिए बनाए गए हैं। कंपनी ने हाल ही में SFC 610 और नया LPT 1816 समेत पांच नए ट्रक अपने बेड़े में शामिल किए हैं। भरोसे, समय की बचत और नवाचार पर जोर देते हुए कंपनी लगातार अपने ऑपरेशंस का विस्तार कर रही है। इस साझेदारी को लेकर कंपनी के डायरेक्टर चिराग कटिरा ने कहा, ₹हमारे बिजनेस की बुनियाद ही भरोसे पर टिकी है और इस सफर में टाटा मोटर्स ने हमेशा हमारा साथ निभाया है। उनके ट्रक न सिर्फ बेहतरीन प्रदर्शन करते हैं, बल्कि हमें अपने ग्राहकों से किए वादे पूरे करने का आत्मविश्वास भी देते हैं। उन्होंने बताया, ₹नई गाड़ियों में बेहतर टॉर्क, डुअल ड्राइविंग मोड और सुरक्षा फीचर्स हैं, जिससे फ्यूल एफिशिएंसी, सेफ्टी और टिकाऊपन में काफी सुधार हुआ है। इससे हमारे ट्रक ज्यादा देर तक चल पाते हैं, रूट्स पर ऑपरेशंस और आसान होते हैं और ग्राहक संतुष्टि भी बढ़ती है। आने वाले समय में हम टाटा मोटर्स के साथ अपनी साझेदारी और मजबूत करना चाहते हैं। समय के साथ टाटा मोटर्स और श्री नासिक गुड्स ट्रांसपोर्ट की यह साझेदारी और भी मजबूत हुई है। बदलते दौर की जरूरतों को समझते हुए टाटा मोटर्स ने हमेशा बेहतर समाधान पेश किए हैं। शानदार सेवा, इनोवेटिव प्रोडक्ट्स और व्यापक डीलर नेटवर्क के दम पर श्री नासिक गुड्स ट्रांसपोर्ट लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में अगली ऊंचाई छूने के लिए तैयार है–जहां भरोसेमंद सेवा और गुणवत्ता नए मानक तय कर रही है।

प्रजापति समाज मुंबई द्वारा जरूरतमंद बच्चों को निःशुल्क नोटबुक वितरित

मुंबई (उत्तरशक्ति)। गत रविवार को प्रजापति समाज मुंबई द्वारा विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी जरूरतमंद बच्चों के लिए निःशुल्क नोटबुक वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम गत रविवार को कुर्ला स्थित समाज कार्यालय में संपन्न हुआ, जिसमें मुंबई के विभिन्न क्षेत्रों से आए बच्चों और उनके अभिभावकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करना था। प्रजापति समाज मुंबई के अध्यक्ष राम जन्म प्रजापति ने इस अवसर पर कहा, हमारा प्रयास है कि हम समाज के ऐसे बच्चों तक पहुंचे जो संसाधनों की कमी के चलते शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। छोटे से सहयोग के माध्यम से हम उनके भविष्य को संवारने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने समाज के अन्य लोगों से भी आह्वान किया कि वे जरूरतमंद बच्चों की पहचान कर उन्हें शिक्षा के लिए प्रेरित करें और सहयोग प्रदान करें, जिससे समाज का पिछड़ा वर्ग भी मुख्यधारा से जुड़ सके। कार्यक्रम में समाज के कई प्रमुख पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे। जिनमें कार्यकारी अध्यक्ष रामजनम प्रजापति, शरद प्रजापति, धर्मराज प्रजापति, अखिलेश प्रजापति, रविंद्र जयशंकर, धर्मवीर, चंद्रबली, बालचंद, रामचन्दर, अखिलेश, अवधनाथ, रविन्दर, हरिवंश आदि शामिल रहे। बड़ी संख्या में समाजसेवियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा को और भी बढ़ा दिया।

दिवा–मुंबई सीएसएमटी लोकल चलाने की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन धरना

ठाणे। मध्य रेल प्रशासन से पूर्व में उपोषण धरना , मोर्चा निकालने व कई बार निवेदन देकर मांग करने के बावजूद दिवा से छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस के लिए लोकल सेवा शुरू नहीं हो पाई है। इसके चलते दिवा स्टेशन के रेल यात्रियों को अपनी जान जोखिम में डालकर लोकल ट्रेन में सफर करना पड़ रहा है। इस मांग को लेकर समाजसेविका अश्विनी अमोल केंद्रे ने दिवा स्टेशन (पूर्व) परिसर में अनिश्चितकालीन धरना आंदोलन शुरू कर दिया है। इस आंदोलन को महिलाओं और लोकल यात्रियों का भरपूर समर्थन मिल रहा है। दिवा की जनसंख्या 5 लाख से अधिक है। यहां रहने वाले हजारों लोग रोजाना मुंबई और आसपास के उपनगरों में रोजी-रोटी के लिए लोकल ट्रेन से सफर करते हैं। सुबह शाम भारी भीड़ के कारण दिवा के यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। जो लोकल ट्रेनें कल्याण से आती हैं वो पहले ही खचाखच भरी रहती हैं। ऐसे हालत में दिवा के यात्रियों को ट्रेन में चढ़ पाना कठिन हो गया है। काम पर पहुंचने की मजबूरी में लोगों को ट्रेन में लटक कर सफर करना पड़ता है। समाजसेविका अश्विनी अमोल केंद्रे ने कहा कि रेलवे प्रशासन व स्थानीय नेता दिवा के यात्रियों की परेशानी को लेकर गंभीर नहीं है।

दूसरी पत्नी के कहने पर कब्रिस्तान से निकाला गया शव

-डॉ.इम्तियाज अहमद

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शहर कोतवाली थाना क्षेत्र के शेख मोहम्मद मोहल्ला ससुराल में रहने वाले व्यक्ति की दूसरी पत्नी के कहने पर कब्र से लाश निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। सूत्रों के मुताबिक लाइन बाजार थाना क्षेत्र के अहिरौली गांव निवासी फैजान उर्फ मुन्नू उम्र लगभग 42 वर्ष पहली पत्नी नेहा उर्फ. पप्पी के साथ शहर कोतवाली थाना क्षेत्र के शेख मोहामिद मोहल्ला ससुराल में रहकर घर ही में परचून की दुकान चलाता था। बुधवार सुबह उसकी मौत हो जाने के बाद उसे शहर के पुरानी बाजार पुलिस चौकी अंतर्गत खास हौज कब्रिस्तान भूमि में तीसरे पहर ले जाकर दफना दिया गया। जब यह बात उसकी दूसरी पत्नी सेनपैक्ट्री स्कूल के पास रहने वाली अजमेरा बंगालन को हुई तो उसने मौत को संदिग्ध जहर देकर करने की बात बताते हुए सिटी मजिस्ट्रेट इंद्र कुमार नंदन के यहां प्रार्थना पत्र देकर लाश को कब्रिस्तान से निकलवा कर पोस्टमार्टम करवाने की मांग किया। गुरुवार को सिटी मजिस्ट्रेट मौजूदगी में कब्रिस्तान से मृतक फैजान उर्फ मुन्नू की लाश को निकलवा कर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया ताकि मौत का कारण स्पष्ट हो सके। इस दौरान शहर कोतवाल मिथिलेश कुमार मिश्रा साथी जवानों के साथ मौजूद रहे।

मुंबई में दर्जनों महिलाओं ने ली राष्ट्रीय समाज पार्टी की सदस्यता

पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष महादेव जानकर ने सभी के प्रति जताया आभार

मुंबई(उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय समाज पार्टी के प्रदेश कार्यालय में आज एक महत्वपूर्ण आयोजन के दौरान दर्जनों महिलाओं ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष महादेव जानकर स्वयं उपस्थित रहे और महिलाओं का पार्टी में स्वागत किया।

मुंबई के विभिन्न क्षेत्रों से आई महिला मंडलों ने पार्टी की नीतियों से प्रभावित होकर यह निर्णय लिया। उन्होंने बताया कि वह महादेव जानकर द्वारा शोषित और वंचित वर्गों के हित में किए जा रहे कार्यों से प्रेरित हुई हैं, और अब वे पार्टी के साथ मिलकर सामाजिक बदलाव में सक्रिय भूमिका निभाना चाहती हैं।

महादेव जानकर ने इस अवसर पर कहा कि राष्ट्रीय समाज पार्टी महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है। हमारे देश में महिलाओं, दलितों, ओबीसी और अन्य पिछड़े वर्गों के साथ हो रहे किसी भी प्रकार के अन्याय और अत्याचार को हम बर्दाश्त नहीं करेंगे। हमारी पार्टी उनके अधिकारों की रक्षा और उनके उत्थान के लिए निरंतर संघर्ष करती रहेगी। इस कार्यक्रम में कई वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी उपस्थित थे। माना जा रहा है कि महिलाओं की इस भागीदारी से पार्टी को आने वाले समय में मजबूत जनाधार मिलेगा, विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में जह महानगर पालिका का चुनाव को लेकर राजनीति गर्म हो रही है। इस मौके पर एडवोकेट संगीता शेटे, वर्षा लोकरे, अनु वाघमारे, प्रमिला सातपुते आदि लोग मौजूद रहे। उक्त सूचना शीला रामलाल यादव ने दी है।

चिरानिया स्कूल में टॉपर रहे अनुराग को स्कूटी देकर किया सम्मानित

चिराना। कस्बे के निकटवर्ती बागोरिया की ढाणी स्थित चिरानिया शिक्षण शिक्षण संस्था में स्कूल शुभारंभ के मौके पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया,जिसमें कक्षा 10 के सत्र 2025 के टॉपर रहे छात्र अनुराग सैनी को स्कूटी प्रदान कर स्कूल टॉप करने पर उन्हें सम्मानित किया गया। साथ ही निदेशक ओमप्रकाश सैनी द्वारा विद्यार्थियों का हौसला बढ़ाने के लिए की गई घोषणा को मूर्त रूप दिया गया। आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नवलगढ़ नगरपालिका चेयरमैन सुरेन्द्र सैनी फूलवाला रहे तो अध्यक्षता बागोरिया की ढाणी सरपंच राजेंद्र सैनी ने की। आपको बता दे कि इस सम्मान के साथ ही कक्षा 10 में दूसरे स्थान पर रही पायल सैनी को टैबलेट और अन्य होनहार विद्यार्थियों को ट्रॉली बैग, प्रेस, स्टडी टेबल, टिफिन, सर्टिफिकेट दिए गए। विद्यालय प्रधानाध्यापिका सुनीता सैनी और निदेशक ओमप्रकाश सैनी ने उपस्थित अतिथियों के बीच विद्यालय का रहा परिणाम और वार्षिक रिपोर्ट पेश की । कार्यक्रम में इस दौरान समाजसेवी संदीप सैनी, खण्डेला तहसीलदार अमीलाल मीणा, SBI chirana के मैनेजर विजय सिंह,सैनी समाज के पूर्व अध्यक्ष राधेश्याम सैनी,समाज सेवी विद्यार्थियों को मोटिवेट करने वाले डॉ. राजेंद्र कुमावत,प्रधानाचार्य फूलचंद सैनी, रेडक्रॉस सोसायटी के जिला अध्यक्ष सुरेन्द्र सैनी,जगदीश प्रसाद सैनी,उपसरपंच प्रिया देवी,वार्ड पंच विनोद सैनी,पूर्व पंचायत समिति सदस्य नानू राम सैनी,शिवपाल सैनी गिरधरपुरा और सभी वार्ड पंच सहित अभिभावक गण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एडवोकेट मोती लाल सैनी ने किया।कार्यक्रम के समापन पर सभी ने इस उपलक्ष में की गई प्रसादी ग्रहण की और कार्यक्रम को सभी ने सराहा।

सांसद ने डीएम के साथ किया महाराजगंज स्टेशन का निरीक्षण

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में महाराजगंज लोकसभा के सांसद जनार्दन सिंह सीग्रीवाल ने सीवान के डीएम डॉ आदित्य प्रकाश के साथ महाराजगंज रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। सांसद ने भारत सरकार के घोषणाओं की तारीफ करते हुए कहा कि महाराजगंज से जो भी प्रस्ताव बजट सत्र में दिया गया वह सभी प्रस्ताव स्वीकृत कर लिए गए । जिसमें आरबीजीआर कॉलेज साइड से अंडरपास, स्टेशन के सामने वीआईपी पार्किंग, एक ऐसी वेटिंग हाल, रैक पॉइंट के अलावा दो स्पेशल एक्सप्रेस ट्रेनों का आगामी दिनों में संचालन, मशरख - महाराजगंज रेल खंड से होकर चलने की बात संसद ने कहीं। सांसद ने विश्वास दिलाया कि सर्वप्रथम महाराजगंज स्टेशन को स्वास्थ्य एवं साफ सुथरा एवं मॉडल स्टेशन बनाने का भी जिक्र किया। स्टेशन के बगल में जो भी छोटे-छोटे कारीगर या छोटे-छोटे बेरोजगार दुकानदार होंगे उन लोगों के लिए शुद्ध पेयजल एवं सेड की भी व्यवस्था सरकार द्वारा कराने का आश्वासन दिया। मौके पर सिवान जिला पूर्वी के संगठन अध्यक्ष रंजीत कुमार, जिला मंत्री अवधेश पांडेय, मंडल अध्यक्ष अमरजीत सिंह, बीजेपी नेता पातीराम सिंह, बीजेपी के जिला संगठन पूर्वी के प्रेस प्रवक्ता दिलीप कुमार सिंह, मोहन कुमार पद्माकर, शशिभूषण तिवारी, बीजेपी जिला उपाध्यक्ष संजय सिंह, त्रिपुरारी सिंह, बीजेपी संगठन के विस्तारक अधिवक्ता मिथलेश सिंह, उदय महाराज, सतेंद्र सिंह,अजय कुमार सिंह,आत्मा कुमार सिंह आदि लोग उपस्थित थे।

कुशीनगर में गंभीर रूप से बीमार मुख्तार प्रजापति को सर्व प्रजापति शक्ति ट्रस्ट ने किया आर्थिक सहयोग

मुंबई(उत्तरशक्ति)। जब किसी परिवार पर विपत्ति आती है, और वह परिवार आर्थिक रूप से भी कमजोर हो, तो स्थिति और भी विकराल हो जाती है। कुछ ऐसी ही त्रासदी का सामना कर रहा है कुशीनगर जिले के बसडीला नकटहा क्षेत्र का एक निर्धन परिवार, जिसके सदस्य मुख्तार प्रजापति दोनों किडनी फेल हो जाने के कारण गोरखपुर के मेरीगोल्ड अस्पताल में इलाजरत हैं। सरकारी आयुष्मान योजना से कोई लाभ नहीं मिल पाने के कारण उनका इलाज अब निजी प्रयासों पर निर्भर है। मुख्तार के दो छोटे बच्चे और पत्नी हैं, तथा परिवार का गुजारा उनके पिता के साथ एक छोटी सी चाय की दुकान से होता था। बीमारी के चलते अब वह स्त्रोत भी बंद हो गया है, जिससे पूरा परिवार आर्थिक और मानसिक संकट से जूझ रहा है। इस दुखद परिस्थिति की जानकारी कुशीनगर के बेचू प्रजापति ने सर्व प्रजापति शक्ति ट्रस्ट की टीम को दी, जिसमें अजय प्रजापति एवं सहयोगियों ने तत्परता से मामले की पुष्टि की और समाज से सहयोग की अपील की। समाज के अनेक संवेदनशील सदस्यों ने आगे आकर सहयोग दिया। सैकड़ों छोटे-बड़े दानदाताओं के सहयोग से कुल 15,000/- की राशि ट्रस्ट द्वारा अस्पताल में जमा कराई गई, ताकि इलाज में कुछ राहत मिल सके। इस पुनीत कार्य में विशेष योगदान देने वालों में पियूष प्रजापति, कमल प्रजापति, अजय प्रजापति, विनोद, इंद्रजीत, डॉ. अरुण, नवीन प्रजापति, गुलाबचंद, विनोद (झांसी), अरुण (हरिद्वार) समेत अनेकों सामाजिक बंधु शामिल रहे। सर्व प्रजापति शक्ति ट्रस्ट निरंतर समाज के जरूरतमंदों की सहायता के लिए प्रतिबद्ध है और अपील करता है कि ऐसे संकट के समय हम सब मिलकर मानवीयता के नाते अपने सामर्थ्य अनुसार सहयोग करें।

मानवाधिकार संरक्षण संगठन,जनहित में समर्पित

-आदेश मिश्र

मीरारोड। मानवाधिकार संरक्षण संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित द्विवेदी के महाराष्ट्र प्रवास के अवसर पर बुधवार को मीरा रोड स्थित संगठन कार्यालय पर एक भव्य स्वागत एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस आयोजन की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक पांडेय ने की। यह कार्यक्रम न केवल संगठन की सुदृढ़ता और आत्मीयता का परिचायक रहा, बल्कि भावी दिशा और रणनीति के निर्धारण में भी मील का पत्थर साबित हुआ। इस गरिमामयी अवसर पर प्रदेश संरक्षक रामविलास पाठक, श्रीप्रकाश पांडेय जिला अध्यक्ष ईशान्य मुंबई, कृष्णकांत यादव प्रदेश प्रवक्ता महाराष्ट्र, सहित कई प्रमुख पदाधिकारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। और हरीश पांडेय, नागेश दीक्षित,आशीष शर्मा, अभिषेक दुबे, मुकेश तिवारी, सुरेश दुबे, अरविंद सिंह, संजय श्रीवास्तव, राम जी दुबे, विवेक पांडे, डॉ. राम लखन शर्मा, मनोज तिवारी, मनोहर विश्वकर्मा, अनुराग मिश्र,विनोद पटेल,अरुण कुमार, राहुल शर्मा,शैलेन्द्र जी,विजय मिश्रा, योगेश कौशिक, पंकज कौशिक सहित संगठन के सैकड़ों कर्मठ कार्यकताओं की उपस्थिति एवं भागीदारी ने यह सिद्ध किया कि संगठन का प्रत्येक सदस्य मानवाधिकार की रक्षा हेतु पूर्णतः प्रतिबद्ध है। राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित द्विवेदी ने अपने उद्बोधन में स्पष्ट रूप से कहा ₹मानवाधिकार कोई दया का विषय नहीं, यह हर व्यक्ति का जन्मसिद्ध अधिकार है। इसकी रक्षा करना हमारा संगठनात्मक दायित्व ही नहीं, एक गहन मानवीय धर्म है। जनसुनवाई केन्द्रों की स्थापना द्वारा पीड़ितों को मंच देना संविधान व मानवाधिकार अधिनियम की गहन जानकारी हर पदाधिकारी को देना। अमित द्विवेदी ने उपस्थित जनों से यह भी आह्वान किया कि संगठन की आत्मा ह्जनहित में न्याय, समानता और सम्मान को अपने व्यवहार में आत्मसात करें और संगठन को एक जनांदोलन के रूप में जन-जन तक पहुँचाएं। उनके प्रेरक शब्दों ने सभा में नया जोश भर दिया। ₹जब तक अंतिम व्यक्ति सुरक्षित नहीं, तब तक हमारी लड़ाई अधूरी है। जब तक अन्याय बोलता रहेगा, हम संघर्ष करते रहेंगे। मानवाधिकार संरक्षण संगठन अपने मूल उद्देश्य हर पीड़ित की अंतिम उम्मीद बनना को साकार करने की दिशा में निरंतर अग्रसर है।

तुलसीराम केवट का हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया जन्मदिन

पालघर(उत्तरशक्ति)। केवट सामाजिक सेवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संस्थापक, शिव मंदिर शीतला माता मंदिर के संस्थापक अध्यक्ष, भाजपा के पूर्व जिला पंचायत सदस्य एवं उत्तर भारतीय मोर्चा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, ठाणे जिला भाजपा के सह प्रभारी तथा काशी विश्वनाथ कांवड़ यात्रा संघ के संस्थापक तुलसीराम केवट का जन्मदिन केवट निवास, यशवंत श्रृष्टि, बोईसर में उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर समाजसेवा, राजनीति और पत्रकारिता क्षेत्र के कई गणमान्य व्यक्तियों ने उपस्थित रहकर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और उनके सामाजिक योगदान की सराहना की। जन्मदिन समारोह में प्रमुख रूप से उद्योजक गिरजेश राजकिशोर सिंह, भाजपा नेता उदय राज शुक्ला, पत्रकार उमाकांत भारती व अजीत सिंह, राजीव रंजन सिंह, शिव लाल गुप्ता, बृजलाल सरोज, बसंत वरुणे, पुलिस सिपाही मंगेश कांबले, बंगारे सर, रामचंद्र चौरसिया, अभिषेक पांडेय, धर्मेंद्र शाह, सर्वेश सिंह, आनंद महतो, रामफेर वर्मा, मूरत सिंह, केशव यादव एवं सूर्य नारायण चौधरी उपस्थित रहे। सभी ने केवट के सामाजिक कार्यों की प्रशंसा करते हुए उनके दीघार्यु और निरंतर सेवा भाव की कामना की। कार्यक्रम में मिठाइयों का वितरण और केक काट कर जन्मदिन का उत्सव मनाया गया।

प्रयागराज–गोरखपुर मार्ग दस मीटर किया जाएगा चौड़ा, खर्च होंगे 213 करोड़ रुपये: विधायक रमेश सिंह

-प्रेम चंद मिश्रा

प्रयागराज (उत्तर शक्ति) प्रयागराज-गोरखपुर मार्ग स्थित मुंगराबादशाहपुर से लगायत शाहगंज तक का हिस्सा अब दस मीटर चौड़ा होगा। इसमें 213.66 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। अभी यह मार्ग महज सात मीटर चौड़ा है। इस मार्ग को राज्यमार्ग संख्या सात के नाम से भी जान जाता है। वाहनों के लगातार बढ़ते भारी दबाव को देखते हुए विधायक शाहगंज रमेश सिंह के प्रस्ताव पर शासन द्वारा यह निर्णय लिया गया है। विधायक रमेश सिंह ने बीते सप्ताह लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर सड़क की चौड़ाई बढ़ाकर दस मीटर किए जाने का प्रस्ताव दिया था, जिसकी स्वीकृति के बाद पीडब्ल्यूडी द्वारा स्टीमेट भी भेजा जा चुका है। इस कार्य में पेड़ों की कटान, पांच साल तक अनुरक्षण सहित अन्य कार्यों पर तकरीबन 213.66 करोड़ रुपये खर्च होंगे। फोरलेन की चर्चाओं पर लगा विराम बीते दिनों मार्ग के उक्त हिस्से को फोरलेन बनाए जाने की चचाओं को लेकर जनता में भारी उहापोह था, जिस पर अब विराम लग गया है। बताते चलें कि प्रयागराज से गोरखपुर के बीच मुंगराबादशाहपुर से लगायत शाहगंज के बीच के ही हिस्से की चौड़ाई कम थी। बाकी सड़क दोनों तरफ दस मीटर अथवा चार लेन की बन चुकी है। प्रयागराज-गोरखपुर मार्ग का मुंगराबादशाहपुर से लगायत शाहगंज का हिस्सा मात्र सात मीटर चौड़ा था। जो वर्तमान समय में वाहनों के दबाव के आपेक्ष काफी कम था। जिससे इसकी चौड़ाई बढ़ाने की जरूरत थी। दस मीटर चौड़ा हो जाने से मुसाफिरों को आवागमन में सहूलियत मिलेगी। यह जानकारी आर डी सिंह ने प्रेस विज्ञाप्ति के माध्यम से दी है।

होंडा मोटरसाइकल एंड स्कूटर इंडिया ने जून 2025 में बेचे 4,29,147 यूनिट्स

पटना । होंडा मोटरसाइकल एंड स्कूटर इंडिया ने जून 2025 के लिए अपने बिक्री आंकड़े जारी किए। कंपनी ने इस महीने कुल 4,29,147 यूनिट्स की बिक्री की, जिसमें 3,88,812 यूनिट्स की घरेलू बिक्री और 40,335 यूनिट्स का निर्यात शामिल है। अगर अप्रैल से जून 2025 (वाईटीडी एफवाई'26) की बात करें, तो एचएमएसआई की कुल बिक्री 13,75,120 यूनिट्स रही, जिसमें 12,28,961 यूनिट्स घरेलू बिक्री और 1,46,159 यूनिट्स का निर्यात शामिल है। जून 2025 की प्रमुख झलकियां जिसमे शामिल है - रोड सेफ्टी इनिशिएटिव्स, सीएसआर, प्रोडक्ट अपडेट्स एवं मोटरस्पोर्ट्स।

नए कानूनों से 'FIR करेंगे तो क्या होगा की जगह 'FIR से तुरंत न्याय मिलेगा का विश्वास बढ़ेगा

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्णायक नेतृत्व और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की दूरदर्शिता के परिणामस्वरूप भारत के आपराधिक न्याय तंत्र में ऐतिहासिक बदलाव संभव हुआ है। स्वतंत्र भारत के मूल्यों और आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए पहली बार ऐसी कानूनी संरचना तैयार की गई है, जो नागरिकों को न्याय के प्रति न केवल आश्वस्त करती है, बल्कि उसे समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से सुलभ भी बनाती है। न्याय प्रणाली में विश्वास का स्वर्णिम वर्ष कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने इस बात पर जोर दिया कि भारत में 1860 से चले आ रहे आपराधिक कानून IPC और (Indian Penal Code), CRPC (Criminal Procedure Code) ब्रिटिश संसद द्वारा बनाए गए थे। इनका उद्देश्य नागरिकों को न्याय देना नहीं बल्कि उपनिवेशी हुकूमत को बनाए रखना और अंग्रेजी हुक्मरानों की संपत्ति व सत्ता की रक्षा करना था। इन कानूनों की आत्मा न्याय नहीं बल्कि शासन और दमन थी। दशकों तक सत्ता में रही कांग्रेस सरकारों ने इन औपनिवेशिक कानूनों को न केवल बनाए रखा, बल्कि इन्हें बदलने का कोई प्रयास भी नहीं किया। लेकिन अब, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने पहली बार स्वतंत्र भारत के मूल्यों और आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए देश की जनता की सुरक्षा के लिए नए कानून बनाए हैं। नए आपराधिक कानून झ ह्भारतीय न्याय संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम और भारतीय दंड संहिता इस विचार पर आधारित हैं कि भारत का हर नागरिक समान है और उसका जीवन, संपत्ति, गरिमा और संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकार सर्वोपरि हैं। इन नए कानूनों का मकसद नागरिकों को न्याय दिलाना है, न सिर्फ दंड देना है झ हालांकि संगठित अपराध को भी व्याख्यायित कर कठोर दंड का प्रावधान किया गया है।